मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025
संवत 2082, मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष 01 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 72 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ आतंकी गतिविधियों का माध्यम बनते सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

कई सालों तक निर्देशक आनंद एल. राय के पीछे पड़ी रही कृति सेनन ◀◀ 6

कोयला माफिया पर कसा शिकंजा

झारखंड और पश्चिम बंगाल में 40 से ज्यादा ठिकानों पर ईडी ने की छापेमारी

कोयलांचल में जांच एजेंसी ने दी दबिश। कोयला कारोबारी एलबी सिंह और कुंभ नाथ सिंह के ठिकानों पर चल रही छापेमारी

संवाददाता

रांची/नई दिल्ली : प्रमुख कोयला व्यापारियों और कथित कोयला माफिया के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की बड़ी कार्रवाई जारी है। ईडी ने झारखंड और पश्चिम बंगाल में 40 से अधिक स्थानों पर छापेमारी करते हुए एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है।

एजेंसी का ध्यान कोयला कारोबार से जुड़े प्रमुख व्यापारियों और माफिया नेटवर्क पर केंद्रित है। इसी सिलसिले में दिल्ली तलब किए गए कोयला व्यापारी नरेंद्र खड़का के साल्ट लेक स्थित एके ब्लॉक आवास पर भी तलाशी चल रही है। ईडी की टीमें कई कारोबारियों के घरों और कार्यालयों पर एक साथ कार्रवाई कर रही हैं।

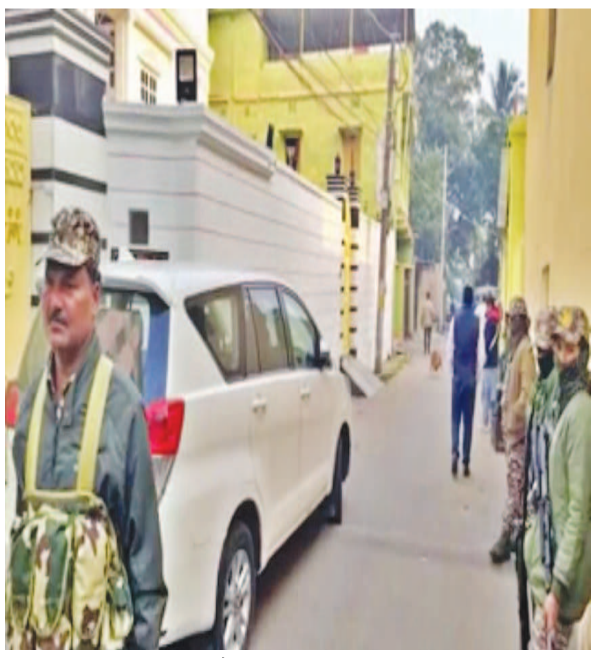

रांची की ईडी टीम ने झारखंड के 18 ठिकानों पर छापे मारे। ये छापेमारियां कोयला चोरी और तस्करी से जुड़े मामलों पर आधारित हैं। जिन मामलों में कार्रवाई की जा रही है, उनमें अनिल गोयल, संजय उद्योग, एल बी सिंह और अमर मंडल से जुड़े प्रकरण शामिल हैं। इन मामलों में बड़े पैमाने पर कोयला चोरी और सरकारी राजस्व को सैकड़ों करोड़ रुपये की क्षति होने की बात सामने आई है।

इसके अलावा, ईडी की दूसरी टीम ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर, पुरुलिया, हावड़ा और कोलकाता में 24 स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई अवैध खनन, गैर-कानूनी ढुलाई और कोयले के अवैध भंडारण से संबंधित मामलों में की जा रही है। जिन व्यक्तियों के ठिकानों पर तलाशी हो रही है, उनमें नरेंद्र खड़का, अनिल गोयल, युधिष्ठिर घोष, कृष्ण मुरारी कायल सहित कई अन्य नाम शामिल हैं। इस संयुक्त अभियान को कोयला माफिया नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। एजेंसी का कहना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और खुलासे हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि कोयला व्यापार में पहले भी कई अनियमितताओं के मामले सामने आते रहे हैं।

युवक की बेरहमी से हत्या : जिस्म पर दागी 8 गोलियां,सिर पर 3 बार तेजधार हथियार से किया वार

जमशेदपुर: जिले से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां कुछ अपराधियों ने एक युवक को गोलियों से छलनी कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना जिले के कदमा थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि शास्त्री नगर मस्जिद के पीछे स्थित मैदान में 5 से 6 अपराधियों ने एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी। कहा जा रहा है कि तौकीर नामक युवक घर से पैदल एक पार्टी में जाने के लिए निकला था। इस दौरान बाइक पर सवार 5 से 6 अपराधी पहुंचे और उसे गोलियों से छलनी कर दिया। अपराधियों ने तौकीर के शरीर में 8 गोलियां दागी। बाद में सिर पर तीन जगह तेजधार हथियार से हमला कर दिया।

घटना को अंजाम देकर अपराधी मौके से फरार हो गए। आनन-फानन में तौकीर को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने हत्या का आरोप एग्रिको निवासी सलमान और मानगो के बिल्ली आफताब पर लगाया है। वहीं, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली ब्लास्टः एनआईए की बड़ी कामयाबी

गिरफ्तार आतंकियों के फोन से जैश-ए-मोहम्मद और आईएसआईएस के टेरर प्लान का पदार्फाश

- ✔ पाकिस्तान से भेजे गए बम बनाने के 40 वीडियो
- ✔ जम्मू के मौलवी ने मुजम्मिल को जैश आतंकी से मिलवाया, दोनों ने तैयार किए डॉक्टर आतंकी

एजेंसी

नई दिल्लीः 10 नवंबर को लाल किले के पास एक कार में हुए ब्लास्ट की जांच में डॉ मुजम्मिल, आदिल, डॉ शाहीन और इरफान समेत गिरफ्तार आतंकवादियों के फोन की जांच के बाद अधिकारियों को बड़ी कामयाबी मिली है। अकेले डॉ मुजम्मिल शकील गनई के मोबाइल से लगभग 200 वीडियो मिले हैं। सोर्स के मुताबिक, इनमें जैश चीफ मसूद अजहर, दूसरे जैश कमांडरों और क्रक्र से जुड़े आतंकवादियों के भाषणों की रिकॉर्डिंग है, जो कट्टरपंथियों की सोच को सामने लाती है। टेरर ट्रेनिंग और बम बनाने से जुड़ा कंटेंटः इनमें से लगभग 80 वीडियो आतंकवादी ट्रेनिंग, बम बनाने की तकनीक और केमिकल रिएक्शन पर फोकस करते हैं - जिससे रिसर्च और ऑपरेशनल प्लानिंग के गहरे लेवल का पता चलता है। इन मटीरियल से इन ग्रुप्स द्वारा ऑपरेटिव्स को ट्रेन करने

और विस्फोटक बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले तरीकों के बारे में जानकारी मिलती है। खास जगहों पर नजरः फोन में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मुंबई और दूसरे राज्यों के धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले बाजारों के वीडियो भी थे। इन रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि घनी आबादी वाले आम इलाकों में प्लान किए गए हमलों या टोही मिशन से जुड़ी निगरानी की गई थी। क्रॉस-बॉर्डर टेरर लिंकः 2022 में, डॉ मुजम्मिल और डॉ उमर, जैश कमांडर के ऑर्डर पर तुर्की में एक सीरियाई आईएसआईएस टेररिस्ट कमांडर से मिले थे। इस मीटिंग में बम बनाने पर बातचीत हुई और सीरियाई ऑपरेटिव ने मदद की, जिससे इन टेरर नेटवर्क के इंटरनेशनल कनेक्शन और कोलेबोरेशन का पता चला। इस डिटेल्ड इंटेलिजेंस ने बड़े टेरर नेटवर्क की स्ट्रेटेजी और क्रॉस-बॉर्डर कोऑर्डिनेशन का खुलासा किया है, जिससे कई भारतीय राज्यों में काउंटर-टेररिज्म कोशिशों के लिए जरूरी सबूत मिले हैं। सूत्रों ने बताया कि 10 नवंबर को लाल किले के पास एक कार में हुए ब्लास्ट के बाद यहां अल फलाह यूनिवर्सिटी के 200 से ज्यादा डॉक्टर और स्टाफ जांच एजेंसियों की जांच के दायरे में हैं। सिक्योरिटी एजेंसियां ??अल फलाह यूनिवर्सिटी में लगातार चेकिंग कर रही हैं, जिससे यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स और स्टाफ में चिंता बढ़ गई है। बुधवार को, यूनिवर्सिटी के कई कर्मचारी अपना सामान गाड़ियों में पैक करके गेट से निकलते देखे गए। यूनिवर्सिटी के सूत्रों के मुताबिक, वे छुट्टी लेकर अपने घर लौट रहे हैं। जांच एजेंसियां ??ब्लास्ट के बाद यूनिवर्सिटी छोड़ने वाले लोगों की संख्या का पता लगा रही हैं और उनकी पहचान करने की कोशिश कर रही हैं। सूत्रों ने कहा कि उन्हें शक है कि इनमें से कई लोग आतंकवादियों से जुड़े थे। सूत्रों ने कहा कि कई लोगों ने अपना मोबाइल डेटा डिलीट कर दिया है, जिसकी भी जांच की जाएगी। करते हुए एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है।

मंईयां योजना में आज से फिर से जोड़े जाएंगे नए लाभुक,

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज पलामू से करेंगे आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत

संवाददाता

रांचीः आज से झारखंड में 'आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम की शुरूआत हो रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पलामू से आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत करेंगे। इस दौरान आम जनता की समस्याओं को सुना और निपटाया जाएगा।

पलामू के लेस्लीगंज में अभियान की होगी शुरूआतः सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में ही नए लाभुकों को मंईयां योजना से जोड़ने वाले हैं। आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पलामू के लेस्लीगंज में इस

अभियान की शुरूआत कर सकते हैं। लाभुक अपने जरूरी दस्तावेज के साथ आपकी सरकार, आपकी योजना, आपके द्वार कार्यक्रम के कैंप में पहुंचेंगे और वहीं दस्तावेजों की जांच के बाद आवेदन स्वीकृत कर दिया जाएगा।

कैंप लगाकर पात्र महिलाओं से लिया जाएगा आवेदनः मंईयां सम्मान योजना में आवेदन के लिए आवेदकों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी, बैंक पासबुक, स्व-सत्यापन फॉर्म, दो पासपोर्ट साइज फोटो देनी होगी। 18 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को ही योजना का लाभ मिलेगा। सभी जिलों में कैंप लगाकर पात्र महिलाओं से आवेदन लिया जाएगा। कैंप में ही दस्तावेज की जांच और स्वीकृति दोनों की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

अगर आप के परिवार का कोई सदस्य सरकारी नौकरी में है, टैक्स जमा करता हो तो आप इस योजना में नहीं जुड़ सकती है। इन सब के बावजूद अगर आप योजना से जुड़ती है तो आप पर कार्रवाई भी की जा सकती है और फिर पैसे की वसूली भी की जाती है।

आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर ब्लॉक सभागार में बैठक सम्पन्न

चतरा : हंटरगंज प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में गुरुवार को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम को सफल संचालन को लेकर अपर समाहर्ता अरविंद कुमार की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। कार्यक्रम का आयोजन 21 नवंबर से 15 दिसंबर तक होना है। अपर समाहर्ता ने विभागीय पदाधिकारियों के साथ तैयारी की समीक्षा की। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को शिविर में ससमय पर पहुंचने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने हिदायद देते हुए कहा कि कोई भी पदाधिकारी एवं कर्मचारी कोताही बरतते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।वहीं ज्यादा से ज्यादा लाभुकों को शिविर का लाभ दिलाने की बात कही। ग्रामीणों के सुविधा को लेकर सभी शिविर में हेल्प डेस्क स्टॉल बनाने की बात कही गई।जिससे ग्रामीणों को कोई भी स्टॉल ढूंढने में परेशानी नहीं हो । सरकार के द्वारा चलाए जा रहे हैं कल्याणकारी योजनाओं अबुआ

भोंदल गांव से बाइक चोरी कांड का हुआ उद्भेदन

–दूसरी घटना को अंजाम देने के फिराक में थे आरोपी

संवाददाता

चतराः जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के भोंदल गांव से सोमवार बीते रात्रि हुई आर15 बाइक की चोरी की घटना का उद्भेदन हो चुका है। बिहार के गया जिले के डोभी थाना क्षेत्र के करमौनी गांव से पुलिस ने भोंदल से हुई चोरी की बाइक के साथ 2 आरोपियों को भी दबोच लिया है ।हालांकि दो शातिर चोर आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। बताया जाता है कि आरोपियों को ग्रामीणों ने जमकर धुनाई भी की है। बाइक चोरी की घटना से बिहार व झारखंड की पुलिस परेशान हो चुकी है। चोरी की बाइक को चोर अधिकतर अवैध धंधे में उपयोग करते हैं। जिससे पुलिस के लिए एक अलग सिरदर्द पैदा कर रही है। ज्ञात हो कि हंटरगंज थाना क्षेत्र के भोंदल गांव से बीते सोमवार रात्रि आर15 बाइक जिसकी रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच 13 एच 7763 चोरी कर- के उसी बाइक के माध्यम से झारखंड - बिहार सीमावर्ती डोभी थाना क्षेत्र के

करमौनी गांव में भी आरोपियों के द्वारा दूसरे चोरी का प्लान किया जा रहा था। इस दौरान पाप का घड़ा भर के फूट गया। ग्रामीणों को आहट सुनाई दी, लेकिन इसी बीच गांव के कुछ लोगों की नजर उन आरोपियों पर पड़ गई। ग्रामीणों ने दो को पकड़ लिया और जमकर धुनाई कर दी। वही दो आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहें। मौजूद लोगों ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया और उनकी पिटाई करने लगे। इधर इसकी खबर 112 डायल को मिली जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों आरोपियों को ग्रामीणों के चुंगल से छुड़ाया और डोभी थाने ले लाई।। बाइक की पहचान के लिए पुलिस ने भोंदल गांव निवासी बाइक ऑनर सौरभ कुमार को बुलाया और पहचान करवाई। बाइक ऑनर ने चोरी की बाइक को अपनी बाइक होने की बात कही। पुलिस की पूछताछ के क्रम में मोटरसाइकिल चोर आरोपियों ने अपना नाम आकाश और प्रकाश जहानाबाद जिला का रहने वाला बताया है। उक्त जानकारी बाइक ऑनर सौरभ कुमार ने दी है।

घरेलू विवाद में युवक ने की आत्महत्या,

–नशे की हालत में घर लौटे पति को पत्नी ने सुनाई खरी खोटी, गुस्से में आकर युवक ने लगाई फांसी

संवाददाता

बोकारो : जिले के हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर 9 स्थित बसंती मोड़ के बंगाली पड़ा बस्ती में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक की पहचान 28 वर्षीय शंकर प्रसाद, पिता स्वर्गीय बैद्यनाथ प्रसाद के रूप में हुई है। पति-पत्नी के बीच हुआ विवादः स्थानीय लोगों के अनुसार शंकर अपने माता-पिता के निधन के बाद पत्नी लक्ष्मी उर्फ रिया और एक बेटी के साथ रहता था। वह दिहाड़ी मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करता था। बताया गया कि बीती रात नशे में घर लौटने के बाद पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर शंकर ने पत्नी को घर से बाहर निकाल दिया और खुद कमरे को अंदर से बंद कर लिया। सुबह जब पत्नी ने दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद उसने शोर मचाया। शंकर का शव फंदे से झूलता मिलाः पड़ोसियों की मदद से जब दरवाजा तोड़ा गया तो शंकर का शव फंदे से झूलता मिला। घटना की सूचना मिलते ही हरला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जांच का नेतृत्व कर रहे एसआई अमन कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि किसी ने आत्महत्या कर ली है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लगता है। शव को अंत परीक्षण के लिए चास अनुमंडलीय अस्पताल भेजकर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लावालौंग-पाकी मुख्य सड़क पर ठप विकास पर उबल रहा जनाक्रोश,चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

संवाददाता

चतराः विगत दिनों भारी बरसात के कारण कीचड़ और गड्ढों में तब्दील हुई लावालौंग-पाकी मुख्य सड़क की बदहाल स्थिति से परेशान ग्रामीणों ने जब सड़क पर ही धरना देकर आंदोलन शुरू किया था,तब बीडीओ विपीन कुमार भारती के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए थे।बीडीओ ने तत्काल उपायुक्त तक विषय पहुँचाने और सड़क निर्माण के लिए पहल करने का भरोसा दिया था।इसके बावजूद सांसद, विधायक और जिला प्रशासन की उदासीनता ने ग्रामीणों में गहरा आक्रोश भर दिया है। सांसद विधायक के प्रति मिडिया के माध्यम से जनाक्रोश को देखते हुए सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल दास आश्वासन समिति के सदस्यों के साथ लावालौंग आनकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उसका समाधान करने की बात कही थी। परंतु आश्वासन समिति दो माह पूर्व चतरा से ही वापस चली गई।हालाँकि विधायक पहल करते हुए कोलकोले पंचायत के मुखिया राजेश साव,लावालौंग पंचायत के मुखिया नेमन भारती और लमटा पंचायत के मुखिया अमित कुमार चौबे के साथ मिलकर उपायुक्त को सड़क की जर्जर स्थिति से अवगत कराया था। इसके बाद

उपायुक्त ने छह माह के भीतर सड़क निर्माण कराने का आश्वासन दिया था। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि कालीकरण की योजना स्वीकृत न हो,तब भी डीएमएफटी फंड से सड़क को पीसीसी के रूप में बनवाया जाएगा।लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि बरसात बीते दो माह हो चुके हैं,ठंड भी गुजर रही है परतु आश्वासन अभी तक केवल शब्दों तक ही सीमित है। सड़क निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम दिखाई नहीं दे रहा है।सड़क से जुड़े चारों पंचायतों के ग्रामीणों ने बताया कि पिछले चुनाव में भी सड़क को लेकर बनवार गांव में वोट बहिष्कार हुआ था।कड़ी समझाइश और आश्वासनों के बाद लोगों ने मतदान किया था परंतु परिणाम शून्य रहा।अब ग्रामीणों का धैर्य पूरी तरह टूट चुका है। आक्रोशित ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि आगामी चुनाव में लावालौंग- पाकी मुख्य सड़क सरकार और प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनेगी।इस बार जनता किसी की भी बात नहीं मानेगी और व्यापक स्तर पर चुनाव बहिष्कार किया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि विकास और सड़क के नाम पर अब केवल आश्वासन नहीं,बल्कि जमीन पर काम चाहिए।

पंचायत प्रतिनिधियों को केरल की तर्ज पर मासिक मानदेय दें सरकारः पंसस भीम महतो,

सिल्ली: पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रखंड कार्यालय परिसर में गुरुवार को विभिन्न 8 सूत्री मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना दिया. इस दौरान प्रतिनिधियों ने पंचायत राज्य विभाग के निदेशक के नाम 8 सूत्री मांग पत्र प्रखंड विकास पदाधिकारी अनिल कुमार एवं सीओ अरुणिमा एक्का को सौंपा. पंसस भीम महतो ने कहा सरकार हम सभी पंचायत प्रतिनिधियों को केरल राज्य का तर्ज पर मासिक मानदेय दें, सांसद विधायक की तरह फंड, पेंशन, आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना की स्थिति में 30 लाख का बीमा, आत्मरक्षा रक्षा हेतु अंगरक्षक एंव शस्त्र की लाइसेंस तथा 14 विभाग एंव 29 विषयों में पूर्ण अधिकार दें. मौके पर प्रमुख बंता हजाम दक्षिणी पंचायत के मुखिया गंगा नारायण सिंह मुंडा व पंचायत के मुखिया पंसस एंव वार्ड सदस्य मौजूद थे।

एनडीपीएस एक्ट का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

संवाददाता

चतराः पुलिस के निर्देश पर हंटरगंज थाना पुलिस द्वारा चलाए गए समकालीन अभियान के दौरान एक आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपी को बिहार के दरभंगा के ओला गांव में छापामारी अभियान चलाकर गिरफ्तार किया। गिरफ्तार वारंटी दरभंगा के ओला गांव के राजेश्वर यादव का 38 वर्षीय पुत्र उदय कुमार है। जिसे गुरुवार को मेडिकल जांच के बाद चतरा न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त पर हंटरगंज थाना में एनडीपीएस एक्ट के नामजद अभियुक्त था आरोपी कई माह से फरार चल रहा था। पुलिस के द्वारा इसकी गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा था । छापामारी अभियान में थाना प्रभारी प्रभात कुमार के अलावा कई पुलिस बल के जवान शामिल थे।

झारखंड के 25वें स्थापना दिवस पर रेड क्रॉस में रक्तदान शिविर का आयोजन

संवाददाता

चतराः झारखंड के 25वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर रेड क्रॉस सोसायटी भवन परिसर में आयोजित थी। जिसमें कई रक्तदाताओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और थैलेसीमिया सहित अन्य गंभीर

बीमार मरीजों के लिए रक्तदान किया। रेड क्रॉस के सचिव धर्मेन्द्र पाठक ने बताया कि आज भी लोग रक्तदान करने से डरते हैं। लेकिन लोगों को रक्तदान से डरना नहीं चाहिए। रक्तदान करने से बीपी,शुगर हार्ट अटैक जैसी बीमारियों की संभावना कम हो जाती है। उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं को बढ़चढ़कर रक्तदान करने की अपील की।

टीबी मरीजों के लिए पोषण टोकरी वितरण कार्यक्रम

112 पोषण टोकरी का वितरण

संवाददाता

चतराः गुरुवार को सिविल सर्जन,चतरा परिसर स्थित कार्यालय जिला यक्ष्मा केंद्र, चतरा के प्रांगण में जिला स्तर पर टीबी मरीजों को पोषण टोकरी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिविल सर्जन डॉ जगदीश प्रसाद एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ कुमार उत्तम उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के द्वारा टीबी मरीजों को 112 पोषण टोकरी वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के द्वारा जिला में निश्चय मित्र सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड एवं सिनी संस्था के संयुक्त तत्वावधान चलाया जा रहे कार्यक्रम की सराहनीय करते हुये शत प्रतिशत टीबी मरीजों को अतरिक्त पोषण टोकरी उपलब्ध करने पर में सहयोग करने की बात कही गई। साथ ही जिले में ओर

लोगों को निक्षय मित्र के साथ जोड़ने का प्रयास करने के लिए कहा गया है।कहा गया कि टीबी मरीजों को समय समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच कराते रहना चाहिए। उन्हें नियमित अपने वजन, हीमोग्लोबिन, बलगम की जांच कर दवा का सेवन करना है। यक्ष्मा मरीजों को समय पर दवा का सेवन करने और समय पर जांच व नियमित दवा के सेवन से टीबी को पूरी तरह से समाप्त किया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि डॉ उत्तम ने सरकार द्वारा टीबी मरीजों के लिए चलाई जा रही कार्यक्रमों की भी जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि ने बताया कि यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत की टीबी से सबंधित प्रचार -प्रसार ग्रामीण स्तर पर पंचायतों के मुखिया को सम्मलित किया जाना हैं। जिससे गांव में टीबी से सबंधित प्रचार -प्रसार बेहतर रूप से हो सके।सभी पंचायतों को टीबी मुक्त पंचायत बनाने के लिये जागरूकता अभियान चलाया जाऐगा। टंडवा प्रखंड के अन्तर्गत दस पंचायतों को चिन्हित कर उस पंचायत में टीबी गहन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ओर दो सालों में उस चिन्हित पंचायतों को टीबी मुक्त पंचायत करने के उद्देश्य से कार्य किया जा रहा है।आपको बताते चलें कि निश्चय मित्र सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड एवं सिनी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जिले के टीबी मरीजों को पोषण टोकरी वितरण किया जा रहा है।इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से विक्रांत कुमार (डीपीसी), आलोक कुमार श्रीवास्तव,नवीन मिश्रा,अनु कुमार,सुरेश मंडल, रविन्द्र कुमार,संजय यादव,सरफराज,मोह्म्द तबरेज एवं समस्त अधिकारी एवं यक्ष्मा कर्मी एवं सीनी संस्था से मुंतज़िर,ओमप्रकाश शर्मा उपस्थित थे।

धान अधिप्राप्ति में पारदर्शिता की नई पहल

लोकसेतु पोर्टल से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा शुरू

संवाददाता

चतराः धान अधिप्राप्ति प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और तकनीक-संचालित बनाने की दिशा में चतरा जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए लोकसेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रणाली लागू की है। अब जिले के सभी पैक्स, व्यापार मंडल, एफ.पी.ओ. (फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन), ग्रेन गोला, कृषक सेवा सहकारी समितियां तथा बाजार समितियां धान अधिप्राप्ति केंद्रों के लिए अपना आवेदन सीधे इसी पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत कर सकेंगी। जिला सहकारिता पदाधिकारी श्री लोकनाथ महतो ने जानकारी देते हुए बताया कि इस व्यवस्था के लागू होने से धान अधिप्राप्ति केंद्र के इच्छुक समितियां आसानी से अपना आवेदन कर सकते है।संबंधित संस्थाएँ निर्धारित मानकों के अनुरूप ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी, जिससे न केवल समय की बचत होगी बल्कि आवेदन के परीक्षण और अनुमोदन की प्रक्रिया भी अधिक

पारदर्शी एवं त्वरित होगी। इस अवसर पर उपायुक्त कीर्तिश्री ने कहा कि जिला प्रशासन लगातार ऐसी कार्यप्रणालियों को बढ़ावा दे रहा है, जिनसे सरकारी सेवाओं का लाभ सरलता और तेजी से लोगों तक पहुँच सके। उन्होंने कहा कि धान अधिप्राप्ति जैसी महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया में तकनीक का उपयोग सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है, ताकि प्रत्येक संस्था को एक समान अवसर मिले और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़े। उपायुक्त ने यह भी कहा कि लोकसेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने से सूचनाओं का केंद्रीकरण होगा, रिकॉर्ड सुरक्षित रहेंगे और अनावश्यक विलंब की संभावनाएँ समाप्त होंगी। यह व्यवस्था किसानों, सहकारी संस्थाओं तथा संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला के सुचारू संचालन में निर्णायक भूमिका निभाएगी। उपायुक्त ने जिले की सभी संबंधित इकाइयों से यह अपेक्षा व्यक्त की है कि वे धान अधिप्राप्ति केंद्र हेतु आवेदन की प्रक्रिया को गंभीरता से लें और अनिवार्य रूप से लोकसेतु पोर्टल का ही उपयोग करें, ताकि जिला स्तर पर कार्यों की समीक्षा और स्वीकृति समय पर की जा सके। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन कृषि एवं सहकारिता से जुड़े सभी हितधारकों को पारदर्शी, जिम्मेदार और सुविधाजनक सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसी भी तकनीकी समस्या की स्थिति में जिला सहकारिता विभाग से संपर्क कर समाधान प्राप्त किया जा सकता है।अंत में, उपायुक्त ने आमजनों विशेषकर कृषकों, सहकारी संस्थाओं और व्यापारिक संगठनों से अपील किया कि वे इस नई ऑनलाइन व्यवस्था का लाभ उठाएँ, समयसीमा का पालन करते हुए अपने आवेदन प्रस्तुत करें तथा इसे सफल बनाने में प्रशासन का सहयोग करें। यह कदम जिले में धान अधिप्राप्ति प्रक्रिया को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

सरदार @150 पदयात्रा मे शामिल हुए राज्यपाल कहा-

यह पदयात्रा राष्ट्रीय एकता व सेवा-भावना का प्रतीक

मेट्रो रेज

रांचीः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज राज भवन के मुख्य द्वार से ओटीसी ग्राउंड तक सरदार @150 पदयात्रा (यूनिटी मार्च- एक भारत, आत्मनिर्भर भारत) में शामिल होकर प्रतिभागियों मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी व आधुनिक भारत के शिल्पकार एवं देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री लौहपुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित यह पदयात्रा राष्ट्रीय एकता और सेवा-भावना का प्रेरक प्रतीक है। उन्होंने इस पदयात्रा में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि सरदार पटेल ने भारत की 562 रियासतों का विलय कर जिस अखंड भारत की नींव रखी, वह उनकी अद्वितीय दूरदृष्टि, साहस और राष्ट्रनिष्ठा का उदाहरण है। उनका संदेश सदैव यही रहा है कि एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा माई भारत द्वारा सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्षगांठ को एक जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जाना अत्यंत सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि देशभर में आयोजित पदयात्राएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, निबंध और क्विज प्रतियोगिताएं, एक था सरदार पॉडकास्ट तथा राष्ट्रीय रील प्रतियोगिता, ये सभी गतिविधियां युवाओं में राष्ट्रभावना को प्रबल करेंगी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि एनएसएस,एएनसीसी, स्काउट एंड गाइड , माई भारत वॉलेंट्री तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों के हजारों छात्र-छात्राओं की उत्साही भागीदारी यह दर्शाती है कि हमारा युवा वर्ग राष्ट्र-निर्माण के प्रति पूर्णतः समर्पित है। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य हमारे युवाओं की एकजुटता, संकल्प और चरित्र पर आधारित है तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वाराएक भारत, श्रेष्ठ भारतजैसे उल्लेखनीय पहल किए गए हैं। इस क्रम में राज भवन, झारखण्ड द्वारा भी सभी राज्यों के स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया जाता है और उस राज्य के नागरिकों को आमंत्रित किया जाता है।

राज्यपाल ने कहा कि सरदार पटेल के आदर्शों को हम केवल स्मरण ही न करें, बल्कि उन्हें अपने आचरण, कर्तव्यों और जीवन-मूल्यों में आत्मसात करें। उन्होंने सभी युवाओं से आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के सपनों के सशक्त भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ।

राज्यपाल महोदय ने यह उल्लेख भी किया कि इस माह की 9 तारीख को उन्हें उस स्थान पर जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जहां लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की भव्य स्टेच्यू ऑफ यूनिटी स्थापित है। उन्होंने कहा कि उस विशाल प्रतिमा का दर्शन कर वे अभिभूत हुए। वहाँ देश-विदेश से आए असंख्य लोग उपस्थित थे और ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वे केवल प्रतिमा का अवलोकन ही नहीं कर रहे थे, बल्कि सरदार पटेल जी को श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ स्मरण भी कर रहे थे।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस पदयात्रा से प्रेरित होकर हम सभी राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव के संकल्प को और अधिक दृढ़ करें।

उक्त अवसर पर राज्यपाल ने उपस्थित सभी लोगों को स्वदेशी अपनाने तथा नशामुक्ति हेतु शपथ दिलाई।

मौलाना आजाद बैडमिंटन टूर्नामेंट

फाइनल में शमीम मुजीबी की जोड़ी भिड़ेगी डॉ शेरान की जोड़ी से

रांचीः मॉर्निंग ग्रुप के तत्वावधान में खेले जा रहे मौलाना आजाद बैडमिंटन टूर्नामेंट का फाइनल रोमांचक होने की उम्मीद है जिसमें दो पूर्व चैंपियन अपने -अपने जोड़ीदारों के साथ आमने- सामने होंगे। इसके पूर्व आज पहला सेमीफाइनल मैच में शमीम मुजीबी अपने जोड़ीदार नसीम अख्तर के साथ खेलते हुए गत चैंपियन अतीक अहमद कुस्सू और निशात अनवर की जोड़ी को तीन सीटों तक चले रोमांचक मुकाबले में एक के मुकाबले दो सेटों में जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई।आज के दूसरे सेमीफाइनल में टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार डॉ शेरान अली और तौहीद अकरम की जोड़ी ने मकबूल अंसारी और युनुस खान की जोड़ी को लगातार दो सेटों में मात देकर फाइनल में जगह बनाई। जहां चर्च कॉम्प्लेक्स के प्रांगण में रविवार सुबह सात बजे से फाइनल खेल जाएगा

रामगढ़ सब डिवीजन के मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव बने पोस्मास्टर रविशंकर राय

रांचीः रामगढ़ कैंट प्रधान डाकघर में कार्यरत सहायक पोस्टमास्टर रविशंकर राय की कार्य कुशलता,व्यवहार और डाक विभाग की सेवाएं को जन जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए डाक अधीक्षक हजारीबाग आशुतोष कुमार सिन्हा ने उन्हें रामगढ़ सब डिवीजन का मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव बनाया है । मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव रविशंकर ने डाक अधीक्षक महोदय को इसके लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि डाक अधीक्षक हजारीबाग आशुतोष कुमार सिन्हा जी के के मार्गदर्शन और हजारीबाग के प्रत्येक कर्मचारी के सहयोग से हजारीबाग डिवीजन देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरान्वित हुआ है । जिस विश्वास के साथ डाक अधीक्षक महोदय ने उन्हें

उत्तर पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना

भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, उत्तर पश्चिम रेलवे, जवाहर सर्किल, जयपुर निम्नलिखित कार्य हेतु निर्धारित इलेक्ट्रॉनिक प्रपत्र पर ऑनलाइन खुली ई-निविदा सिस्टम (दो पैकेट) आमंत्रित करते हैं। **(1) निविदा संख्या:** एनडब्लूआर- एससी-टीआरएएच-एबीआर-एनएल-टी-29 **(2) कार्य का नाम एवं स्थान:** अजमेर मंडल के अंतर्गत तरंगा हिल-आबू रोड़ वाया अंबाजी नई बी. जी. लाईन परियोजना के संबंध में, 200 मीटर चौड़े कॉरिडोर में आवश्यक भू-विशेषताओं को संकलित करने के लिए LiDAR आधारित एरियल सर्वेक्षण करना, भू-आकृति का 3D मॉडल विकसित करना तथा अंतिम रूप से निर्धारित संरेखण (Alignment) के रेलवे कॉरिडोर का 3D मॉडल विकसित करना, जिसमें फॉर्मेशन (Formation) एवं संरचना विवरण जैसे टोज लाइन, कॉरिडोर की चौड़ाई, पुल, स्टेशन संरचनाएँ आदि सम्मिलित हों, को LOD-200 स्तर के मॉडल में तैयार किया जाना। **(3) निविदा का प्रकार:** खुली (दो पैकेट) **(4) अनुमानित लागत:** ₹13141188/- (एक करोड़ इकतीस लाख इकतालीस हजार एक सौ अठासी रुपये एवं शून्य पैसे) **(5) बिड सिक्योरिटी/धरोहर राशि:** ₹ 215700.00 (दो लाख पन्द्रह हजार सात सौ रुपये एवं शून्य पैसे) **(6) कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 4 (चार) महीने **(7) निविदा की अंतिम दिनांक व समय:** दिनांक 12/12/2025 को प्रातः 15.00 बजे **(8) वेबसाइट का विवरण:** www.ireps.gov.in **नोट:** कोई भी व्यक्तिगत (मैनुअल) टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा।

1485-DK/25

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।

सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम-टुन टुन सिंह उम्र करीब-60 वर्ष, रंग-गोरा, ऊँचाई-05 फीट, 5 फीट पहनावा-ऑरेंज रंग का टी शर्ट एवं काला रंग का पैंट पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति टुन टुन सिंह उम्र करीब-60 वर्ष, पिता-स्व0 राम प्रवेश सिंह, सा0-कार्ट सराय रोड गाड़ी खाना चौक थाना-कोतवाली, जिला-राँची जो दिनांक-24.0.2025 को घर से बगैर बताए कहीं चले गए जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में कोतवाली थाना सनहा संख्या-19/2025, दिनांक-30.10.2025 दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, कोतवाली, राँची। -9431770077

थाना प्रभारी कोतवाली, राँची। -9431706185

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची।

PR 366622 (Police) 25-26 (D)

आज से मिलेंगे भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे के ऑनलाइन टिकट, ऑफलाइन 25 नवंबर से

- 30 नवंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच

संवाददाता

रांचीः जेएसएसीए स्टेडियम में 30 नवंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे मैच होना है। इसका ऑनलाइन टिकट शुक्रवार से मिलना शुरू हो जाएगा। वहीं प्रशंसक ऑफलाइन टिकट 25 नवंबर से टिकट काउंटर से खरीद सकेंगे। दर्शक स्टेडियम के पश्चिम गेट के पास बने काउंटर से ऑफलाइन टिकट खरीद सकेंगे। काउंटर से टिकटों की बिक्री सुबह नौ बजे से शुरू होगी और शाम तीन बजे तक खरीदे जा सकेंगे। वहीं, ऑनलाइन टिकट ३ॢ ीड्ढ्रीद्बठ्ठ ऐप पर बुक किये जा सकेंगे। गुरुवार को जेएससीए स्टेडियम में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में जेएससीए प्रबंधन ने यह जानकारी दी। प्रेस कांफ्रेंस में जेएससीए के अध्यक्ष अजयनाथ शाहदेव, सचिव सौरभ तिवारी, उपाध्यक्ष संजय पांडे, सह सचिव शाहबाज नदीम, कोषाध्यक्ष अमिताभ घोष, जयकुमार सिन्हा, मनोज यादव मौजूद थे। 27 नवंबर को गुवाहाटी से रांची पहुंचेगी टीमेंः दोनों टीमों के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जायेगी। इसका पहला मैच 30 नवंबर को रांची में होगा। इसके लिए दोनों टीमें 27 नवंबर को गुवाहाटी से रांची पहुंचेगी। इससे पहले गुवाहाटी में दोनों टीमों के बीच 22 नवंबर से दूसरा टेस्ट मैच खेला जायेगा। टीमें 28 और 29 नवंबर को निर्धारित समयों पर जेएससीए स्टेडियम में अभ्यास करेंगी। एक बार फिर वनडे टीम में दो स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा खेलते दिख सकते हैं। बीसीसीआई ने वनडे टीम की घोषणा अब तक नहीं की है। वनडे सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका को पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेलनी है। सुबह 10 ।30 बजे से होगी दर्शकों की इंट्रीः दोनों टीमों के बीच दोपहर 1 ।30 बजे से डे-नाइट मैच खेला जायेगा। दर्शकों के लिए सुबह 10 ।30 बजे स्टेडियम के गेट खोल दिये जायेंगे। वहीं, दोपहर 3 ।30 बजे के बाद स्टेडियम में प्रवेश बंद कर दिया जायेगा। जेएससीए ने इस बार एक महीने के बच्चे के लिए भी टिकट अनिवार्य कर दिया है। मीडिया को बताया गया कि जो बच्चा गोद में भी होगा, उसका टिकट लेना होगा। बिना वैध टिकट के गोद वाले बच्चे को भी स्टेडियम में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। मैच के दौरान पानी का बोतल और किसी भी तरह के खाद्य पदार्थ लेकर स्टेडियम में जाने पर रोक होगी।

ड्रेसिंग रूम को नया रूप दिया गया

: दोनों टीमों के ड्रेसिंग रूम को इस बार नया रूप दिया गया है। टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में टीम के अब तक के सफर को जर्सी के माध्यम से दशार्या गया है। जेएससीए के उपाध्यक्ष संजय पांडेय ने बताया कि भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम को टीम इंडिया की जनी थीम पर बनाया गया है। वहीं मेहमान टीम के ड्रेसिंग रूम में उस टीम की जर्सी के अलावा डाइनिंग हॉल में टीम का पोस्टर लगाया गया है। चूंकि इस बार दक्षिण अफ्रीका की टीम यहां खेलेगी, इसलिए ड्रेसिंग रूम में टीम की जर्सी और डाइनिंग हॉल में टेस्ट चैंपियनशिप की जीतवाला पोस्टर लगाया गया है। इसी प्रकार आगे होने वाले मैचों के दौरान आनेवाली मेहमान टीमों की जर्सी व पोस्टर लगाये जायेंगे।

नेतरहाट वनों में 'जंगल सफारी' शुरू

संवाददाता

रांचीः झारखंड सरकार ने राज्य में पर्यावरण के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद से लातेहार जिले के खूबसूरत नेतरहाट वनों में 'जंगल सफारी' बृहस्पतिवार को शुरू की। राज्य पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने इस पहल का उद्घाटन किया और कहा कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। कुमार ने कहा, पर्यटक अब नेतरहाट के जंगलों, वन्यजीव तथा यहां की सुंदरता को और करीब से महसूस कर पाएंगे।'' नेतरहाट 3,622 फुट की ऊंचाई पर जंगलों में बसा है और रांची से करीब 157 किलोमीटर की दूरी पर है। सफारी के लिए 300 रुपये प्रति व्यक्ति दर निर्धारित की गई है और 16 सीट वाली गाड़ी के लिए 4,100 रुपये जबकि 10 सीट वाली गाड़ी के लिए 3,000 रुपये तय किए गए हैं। लोग दिन में दो बार सफारी का आनंद उठा सकेंगे। पहली सफारी सुबह 5:30 से 10 बजे तक चलेगी, वहीं दूसरी सफारी का समय दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक होगा।

भू-अर्जन वाद सं०-44/2024-25

झारखण्ड सरकार
राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग
(जिला भू-अर्जन कार्यालय, राँची)

प्रारंभिक अधिसूचना

(अधिनियम-30/2013 की धारा-11 (1) के अधीन)

"Construction of over from bahu Bazar to Patel Chowk Connecting Siramtoli Mecon Fly Over at Patel Chowk and Kokar-Yogoda Satsanga Ashram Fly Over at Bahu Bazar (Length 1.25 KM) in Ranchi परियोजना"

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि **"Construction of over from bahu Bazar to patel Chowk Connecting Siramtoli Mecon Fly Over at Patel Chowk and Kokar-Yogoda Satsanga Ashram Fly Over at Bahu Bazar (Length 1.25 KM) in Ranchi परियोजना"** हेतु अपेक्षित है, प्रभावित परिवारों के पुर्नवासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2(1) (ख) के तहत् नियुक्त पदाधिकारी प्रशासन के रुप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम-कोनका, थाना-राँची, थाना संख्या-198, अंचल-शहर, जिला-राँची में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश-**0.8708** एकड़ मानक माप का भूखंड, जिसका विस्तृत विवरणी निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है :-

मौजा-कोनका (वार्ड-04)

क्र०	खाता सं०	सर्वे प्लॉट सं० M.S.	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं०) उ०	द०	पू०	प०
01	–	1703	रैयती	–	0.0333	एस०पी०जी० मिषन	1702	1704	1705	1701

(वार्ड सं०-05)

क्र०	खाता सं०	सर्वे प्लॉट सं० M.S.	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं०) उ०	द०	पू०	प०
02	–	1004	रैयती	–	0.2557	–	745	485	704	652
03	–	975	रैयती	–	0.0079	–	856	654	203	523
04	–	950	रैयती	–	0.0198	–	951	949	947	952
05	–	946	रैयती	–	0.0208	एस०पी०जी० मिषन	942	951	947	945
06	–	941	रैयती	–	0.0931	–	940	946	947	942

(वार्ड सं०-06)

क्र०	खाता सं०	सर्वे प्लॉट सं० M.S.	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं०) उ०	द०	पू०	प०
07	–	827	रैयती	–	0.1976	योगदा सत्संग सोसाईटी ऑफ इंडिया	825	830	9	826
08	–	825	रैयती	–	0.0195	प्रताप कुजूर, पिता-लुथर कुजूर	824	827	9	826
09	–	822	रैयती	–	0.0492	लाधु उराँव वो मंगरा उराँव वो धनुवा उराँव वो गोलर उराँव	823	824	9	826
10	–	823	रैयती	–	0.0422	एस०पी०जी० मिषन	7	825	821	822
11	–	522	रैयती	–	0.0373	एस०पी०जी० मिषन	521	10	521	2881
12	–	518	रैयती	–	0.0027	विलयम कच्छप, चोन्हा कच्छप, विनोद पिटर	517	521	516	2881
13	–	517	रैयती	–	0.0776	मैली कच्छप, सुनिल कच्छप	512	518	516	2881
14	–	503	रैयती	–	0.0141	सौरभ मोदी, रेवेन्टजेल सिंह वल्द दाउद लुथन	501	512	504	2881
कुल					**0.8708**					

यह अधिसूचना भू-अर्जन, पुर्नवास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम संख्या 30/2013), की धारा-11(1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, राँची के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता-सह-समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथा-उपबंधित एवं यथा विनिर्दिष्ट कार्यों के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने, किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए अवभूमि खोदने या भू-वेधन-छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यों के संचालन करने हेतु जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, राँची और उनके कर्मचारी को प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा 11(4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्त्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नही करेगा या ऐसा कोई अंतरण नही करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नही उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60 दिनों) के अन्तर्गत भू-अर्जन की बाबत किसी प्रकार की अपत्तियाँ हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, राँची के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

ह०/-
उपायुक्त, राँची।

PR 366578 (Land Reforms) 25-26 (D)

रेलवे ने निर्माण व तकनीकी कार्य को लेकर कई ट्रेनों का समय बदला, कुछ ट्रेनें रद्द

संवाददाता

रांची : रेलवे ने कई मार्गों पर निर्माण और तकनीकी काम चलने की वजह से कई ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। साथ ही कुछ ट्रेनों को रद्द भी किया गया है। इसको लेकर रांची रेल मंडल ने यात्रियों को पहले ही जानकारी दे दी है, ताकि उन्हें किसी तरह की असुविधा न हो।

दक्षिण मध्य रेलवे के नर्सिपटनम रोड और गुल्लिपाडु स्टेशनों के बीच पुल निर्माण का काम चल रहा है। इस कारण कई ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। इस कारण हटिया- एरणाकुलम एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22837) 24 नवंबर को हटिया से 2 घंटे 40 मिनट देर से चलेगी।

- धनबाद-अल्लाप्पुझा एक्सप्रेस भी देरी से चलेगी
- दक्षिण मध्य रेलवे के नर्सिपटनम रोड और गुल्लिपाडु स्टेशनों के बीच पुल निर्माण का काम चल रहा है। उसी काम की वजह से धनबाद-अल्लाप्पुझा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 13351) को 24 नवंबर को अपने तय समय से 3 घंटे देर से धनबाद से प्रस्थान करेगी।
- आसनसोल-हटिया एक्सप्रेस भी रहेगी रद्दः पूर्व मध्य रेलवे के कोडरमा-हजारीबाग रेलखंड में नए स्टेशन कथीतिया को शुरू किए जाने का काम चल रहा है। इसी कारण रांची रेल मंडल की दो महत्वपूर्ण ट्रेनें कुछ तारीखों पर रद्द रहेंगी।
- आसनसोल-हटिया एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 13513) : 22, 23 और 24 नवंबर को रद्द रहेगी।
- हटिया-आसनसोल एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 13514) : 22, 23 और 24 नवंबर को नहीं चलेगी।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

क्या भारत को चाहिए व्यापक प्रदूषण कर

भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहाँ तेज आर्थिक विकास और बिगड़ते पर्यावरण के संकट के बीच संतुलन बनाना अत्यंत कठिन चुनौती बन गया है। शहरों की हवा दिन-प्रतिदिन जहरीली होती जा रही है, नदियाँ औद्योगिक कचरे से भर रही हैं, भूमिगत जल स्तर घट रहा है, ठोस कचरे के पहाड़ महानगरों की पहचान बनते जा रहे हैं, वहीं जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कृषि, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष दिखाई दे रहा है। ऐसी स्थिति में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अब भारत को प्रदूषण फैलाने वालों पर प्रत्यक्ष आर्थिक दंड लगाने अर्थात विस्तृत ह्लप्रदूषण करह्व लागू करने की आवश्यकता है? प्रदूषण कर का विचार नया नहीं परन्तु इसकी आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक है। अर्थशास्त्र में यह माना जाता है कि जब कोई उद्योग, वाहन या गतिविधि प्रदूषण फैलाती है तो उसका दुष्परिणाम पूरे समाज को भुगतना पड़ता है, न कि केवल उसे जो प्रदूषण फैला रहा है। यह बाजार व्यवस्था की वह गंभीर विफलता है जिसे ह्लबाह्य लागतह्व कहा जाता है- अर्थात नुकसान तो समाज को होता है, पर उसका मूल्य न तो वस्तु की कीमत में जुड़ता है, न ही प्रदूषण फैलाने वाला उसे भरता है। ऐसे में ह्लप्रदूषण करह्व इसी असंतुलन को सुधारने का प्रयास करता है, जहाँ जो जितना अधिक प्रदूषण फैलाए, वह उतनी अधिक आर्थिक कीमत चुकाए।

भारत में कोयले पर लगाया गया ह्लस्वच्छ ऊर्जा उपकरह्व इसका एक प्रारंभिक स्वरूप था, परंतु आज देश में वायु, जल, ध्वनि, ठोस कचरा और औद्योगिक उत्सर्जन का ऐसा मिश्रित संकट है कि केवल किसी एक क्षेत्र पर कर लगाना पर्याप्त नहीं। आवश्यकता एक सर्वसमावेशी और वैज्ञानिक पद्धति से तैयार प्रदूषण कर की है, जो प्रदूषण को कम करने और स्वच्छ विकल्पों को बढ़ावा देने में सहायक हो। प्रदूषण कर का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह प्रदूषण को महँगा बनाता है और स्वच्छता को सस्ता। जब किसी उद्योग को प्रति इकाई उत्सर्जन पर कर देना पड़ेगा, तो वह स्वाभाविक रूप से ऐसी तकनीक अपनाने की ओर अग्रसर होगा जो कम प्रदूषण करे। यूरोप जैसे क्षेत्रों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट दिखाई देती है जहाँ कार्बन-आधारित दंड के बाद ऊर्जा-संरक्षण और हरित तकनीक का उपयोग अत्यधिक बढ़ा। भारत में भी यह परिवर्तन संभव है, बशर्ते नीति दीर्घकालिक, पारदर्शी और लक्ष्य-उन्मुख हो। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत को आने वाले वर्षों में पर्यावरण-रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा पर बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी। नदियों की सफाई, स्वच्छ परिवहन व्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, ठोस कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा हरित भवनों के विकास पर अत्यधिक वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होगी। ऐसे में प्रदूषण कर एक स्थायी और अनुमानित राजस्व स्रोत बन सकता है, जिसे एक स्वतंत्र ह्लहरित निधिह्व के माध्यम से केवल पर्यावरण संरक्षण पर व्यय किया जा सकता है। वैश्विक स्तर पर भी प्रदूषण कर का महत्व बढ़ रहा है। कई विकसित देश अब उन आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगा रहे हैं जो अधिक प्रदूषणकारी स्रोतों से बनती हैं। यदि भारत घरेलू स्तर पर प्रदूषण पर उचित कर लागू करता है, तो भारतीय निर्यातकों को विदेशी बाजारों में अतिरिक्त शुल्क से राहत मिल सकती है। इस प्रकार प्रदूषण कर केवल पर्यावरण-हित में नहीं, बल्कि भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा की रक्षा में भी सहायक सिद्ध हो सकता है। इन सबके बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या प्रदूषण कर गरीबों पर भारी पड़ सकता है? यह चिंता बिल्कुल वास्तविक है। यदि ईंधन और बिजली की लागत बढ़ेगी, तो उसके साथ ही परिवहन, खाद्य पदार्थ और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। इसका सीधा प्रभाव निम्न-आय वर्ग पर पड़ता है, जिनके पास विकल्प सीमित होते हैं। इसलिए प्रदूषण कर को न्यायपूर्ण बनाने के लिए यह अनिवार्य होगा कि निम्न-आय वाले परिवारों को प्रत्यक्ष नकद सहायता, ऊर्जा सब्सिडी और रसोई गैस जैसी आवश्यकताओं पर राहत दी जाए। उद्योग जगत की चिंताएँ भी कम नहीं। विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग ऊर्जा-प्रधान होते हैं और किसी भी अतिरिक्त कर का प्रभाव उनकी लागत पर पड़ता है। अतः प्रदूषण कर को चरणबद्ध ढंग से लागू करना होगा- पहले बड़े उद्योगों पर, फिर धीरे-धीरे छोटे उद्योगों को तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ इस दायरे में लाना होगा। हरित मशीनरी पर अनुदान, ब्याज रहित ऋण, और तकनीकी उन्नयन के लिए मार्गदर्शन इस परिवर्तन को सुगम बना सकते हैं। भारत की प्रशासनिक क्षमता भी महत्वपूर्ण कारक है। प्रदूषण का सटीक मापन, डेटा की विश्वसनीयता और निगरानी तंत्र की पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक होगी। छोटे उद्योगों और गैर-प्रमाणित स्रोतों की निगरानी आज भी चुनौतीपूर्ण है। यदि उत्सर्जन मापन ही विश्वसनीय न हो तो कर प्रणाली पर विश्वास नहीं किया जा सकता। इसलिए भारत को आधुनिक सेंसर-तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, डिजिटल उत्सर्जन-पंजीकरण तथा रियल-टाइम निगरानी प्रणाली को मजबूत करना होगा। इसके अतिरिक्त, प्रदूषण कर की सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि सरकार इसके राजस्व का उपयोग कहाँ करती है। यदि यह धन सामान्य बजट में विलीन हो गया, तो जनता में अविश्वास बढ़ेगा और नीति का उद्देश्य कमजोर पड़ेगा। इसके लिए एक स्वतंत्र ह्लहरित कोषह्व का गठन आवश्यक है, जो केवल प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छ ऊर्जा, हरित परिवहन और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों पर व्यय हो तथा जिसकी वार्षिक लेखा-परीक्षा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो। राजनीतिक दृष्टि से यह साहसिक कदम होगा। किसी भी प्रकार की मूल्य-वृद्धि जनता के बीच असंतोष उत्पन्न कर सकती है। परंतु यह भी सत्य है कि पर्यावरणीय संकट अब इतना गंभीर हो चुका है कि उससे निपटने के लिए कठोर, दीर्घकालिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधार आवश्यक हैं। भारत की युवा पीढ़ी सुरक्षित जल, स्वच्छ वायु और स्वस्थ जीवन की मांग कर रही है। इस मांग को नजरअंदाज करना अब संभव नहीं। अंततः यह कहा जा सकता है कि प्रदूषण कर भारत के लिए केवल राजस्व-संग्रह का साधन नहीं बल्कि एक व्यापक हरित परिवर्तन की दिशा में आवश्यक कदम है। इसे न्यायपूर्ण, पारदर्शी, चरणबद्ध और वैज्ञानिक आधार पर लागू करने से भारत न केवल प्रदूषण कम कर पाएगा, बल्कि अपने विकास मॉडल को भी टिकाऊ, स्वस्थ और पर्यावरण-सम्मत बना सकेगा। यदि इसे सही नीतिगत ढंग से लागू किया गया, तो यह भारत के इतिहास में वह मोड़ साबित हो सकता है जहाँ देश ने आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संरक्षण को एक-दूसरे का विरोधी नहीं बल्कि सहयोगी सिद्ध होगा।

आतंकी गतिविधियों का माध्यम बनते सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

न्यूयार्क टाइम्स ने एक अध्ययन में 3.2 मिलियन संवादों का विश्लेषण किया है। जानकारों के अनुसार टेलीग्राम सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ही 1500 से अधिक नस्लवादी चैनल सक्रिय है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इतनी अधिक संख्या में असामाजिक गतिविधियों में लिप्त चैनलों का सक्रिय होना गंभीर चिंता का विषय है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

सहज संवाद और एक-दूसरे को जोड़ने का प्रमुख माध्यम सोशल मीडिया आज आतंकी गतिविधियों का भी सुरक्षित एवं गोपनीय माध्यम बनता जा रहा है। हालिया दिल्ली बम धमाके में संलिप्त व्हाइट कॉलर आतंकवादियों के परस्पर संवाद का माध्यम टेलीग्राम सोशल मीडिया प्लेटफार्म पाया गया है। सोशल मीडिया के दुरुपयोग की यह अति अवस्था है। न्यूयार्क टाइम्स ने एक अध्ययन में 3.2 मिलियन संवादों का विश्लेषण किया है। जानकारों के अनुसार टेलीग्राम सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ही 1500 से अधिक नस्लवादी चैनल सक्रिय है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इतनी अधिक संख्या में असामाजिक गतिविधियों में लिप्त चैनलों का सक्रिय होना गंभीर चिंता का विषय है। मानवता के लिए सबसे सम्माननीय डाक्टरी का पेशा दिल्ली ब्लॉस्ट और इसके बाद दिन प्रतिदिन खुलती परतों से बेनकाब होता जा रहा है। डाक्टर जिसका जीवन बचाने का दायित्व है वही लोगों की मौत का सौदागर बनता है तो यह मानवता के लिए शर्मनाक स्थिति है। चिंता की बात यह है कि शिक्षा का केन्द्र विश्वविद्यालय इसका केन्द्र पाया गया। हालांकि फरीदाबाद के अलफलाह विश्वविद्यालय ने अपने को आतंकवादी गतिविधियों से दूर और साफ-सुथरा होने का दावा किया है पर यह लीपापोती से अधिक कुछ नहीं लगती। अब जबकि डॉक्टर बेनकाब हो रहे हैं और इनपर कार्रवाई की बात हो रही है तो कुछ राजनीतिक दल और संगठन इनके पक्ष में दूसरी तरह की भाषा बोलने लगे हैं। समझ से परे है कि ऐसे संगठनों का उन बेगुनाह लोगों और परिवारों के प्रति क्या दायित्व नहीं होता जो इन आतंकी गतिविधियों में अकारण मौत के आगोश में चले जाते हैं या घायल होते हैं। इन प्रभावित लोगों व इनके परिवारों के प्रति भी उनकी जवाबदेही होनी चाहिए। अच्छा तो यह हो कि दूसरी तरह की भाषा बोलने वाले प्रभावित लोगों के पक्ष में आगे आएं। आतंकी गतिविधियों से जुड़े लोगों के साझा संवाद का माध्यम टेलीग्राम प्लेटफार्म पाया गया है। सोशल मीडिया की जहां तक बात है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि आज सोशल मीडिया प्लेटफार्म लोगों की पसंद, सूचनाओं को साझा करने और एक-दूसरे तक अपनी भावनाएं पहुंचाने का माध्यम बन गए हैं। सवाल इनके दुरुपयोग और इन पर आवश्यक अंकुश की आवश्यकता को लेकर है। लाख दावे करें पर यह प्लेटफार्म असामाजिक गतिविधियों व भ्रामक समाचारों पर तत्काल कार्रवाई करने में विफल रहे हैं। सोशल मीडिया संदेशों की प्रतिक्रिया में लोगों का जुट जाना और भीड़ का आक्रोशित हो जाना आज आम है। यही कारण है कि कानून व्यवस्था के जिम्मेदार सबसे पहले उस क्षेत्र में इंटरनेट सेवाओं को स्थगित करना श्रेयस्कर समझते हैं। यह भी सही है कि अधिकांश सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का संचालन विदेशी धरती से हो रहा है। यह दुर्भाग्य है कि लाख प्रयासों के बावजूद देश में बने सोशल मीडिया प्लेटफार्म अपनी पहचान बनाने व अधिकांश देशवासियों के चहेते बनने में सफल नहीं हो पाए। आज फेसबुक, इंस्टाग्राम, लिंकड्विन, यूट्यूब, व्हाट्सएप, क्रास या ट्वीटर, ठिकटॉक, स्नेपचेट, पिंटरेस्ट, वीचैट, रेडिट, टेलीग्राम आदि आदि प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफार्म संचालन की डोर विदेशियों के हाथ है। हमारे देश में यूट्यूब, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, फेसबुक, लिंकडइन आदि सोशल प्लेटफार्म अधिक चलन में हैं तो वाट्सएप और इंस्टा की पहुंच आम लोगों तक है। दुनियाभर में 5 अरब 41 लाख से अधिक लोग सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग कर रहे हैं।

जहां तक टेलीग्राम प्लेटफार्म का सवाल है तो यह सर्वविदित है कि आतंकवादी गतिविधियों का यह केन्द्र रहा है। रुस-यूक्रेन युद्ध में जेलेंस्की द्वारा इस प्लेटफार्म का उपयोग किया गया है तो हांगकांग-बेलारुस द्वारा भी इसका उपयोग इसी तरह से किया जाता रहा है। दरअसल, टेलीग्राम को आजादी की आवाज कहा जाता है। रुस के दो भाइयों पॉवेल ड्यूरोव और निकोलोई ड्यूरोव द्वारा तैयार ओर संचालित इस प्लेटफार्म का दावा है कि वह डाटा शेयर नहीं करता। इस पर प्रसारित संदेशों को कोई तीसरा नहीं देख या पढ़ नहीं सकता। यही कारण है कि सुरक्षित व गोपनीयता के दावे के चलते इस तरह की गतिविधियों को संचालित करने वाले ग्रुप इस प्लेटफार्म पर सक्रिय हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सदस्य बनाने, हिंसा फैलाने, पैसा जुटाने, नशीली दवा, हथियार जुटाने, नफरत के संदेश फैलाने आदि असाामाजिक गतिविधियों में प्लेटफार्म का उपयोग किया जाता है। जहां तक टेलीग्राम सोशल मीडिया प्लेटफार्म की बात है तो बेहद सीमित कर्मचारियों द्वारा संचालित इस प्लेटफार्म पर ऐसी गतिविधियों की निगरानी, आपत्तिजनक सामग्री हटाने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की उम्मीद करना बेमानी है।

ऐसे में जब सोशल मीडिया प्लेटफार्म आज लोगों की जरुरत बन चुका है तो इन प्लेटफार्मों के संचालकों के लिए एक आदर्श एसओपी जारी करने के साथ इन पर असामाजिक, समाज विरोधी, आतंकवादी, भ्रम फैलाने वाली या इसी तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाये जाने की आवश्यकता हो गई है। सवाल देश की सुरक्षा और आंतरिक शांति और सद्भावना का है तो फिर सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को भी समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का समझना होगा। सरकार की तरफ से इस तरह की गतिविधियों में लिप्त प्लेटफार्मों पर रोक या सख्त कार्रवाई करने में किसी तरह की देरी व संकोच नहीं किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफार्म अपनी मूल भूमिका संवाद, साझा जानकारी, स्वस्थ्य मनोरंजन और एक-दूसरे को जोड़ने जैसे मूल्यों को लेकर आगे आना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

वैश्विक व्यापार में रुपये की नई दस्तक

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली की शुरूआत और इसे अनेक देशों के साथ लागू करने की कोशिश रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बनाने वाली निर्णायक पहल बनकर उभरी है। रुपये के प्रसार के पीछे कई प्रेरक कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना है क्योंकि डॉलर आधारित भुगतान तंत्र अनेक बार राजनीतिक तनाव, प्रतिबंधों और वैशिक वित्तीय अस्थिरता के समय जोखिम पैदा करता है।

- डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत आज उभरती वैश्विक अर्थव्यवस्था का महत्त्वपूर्ण केंद्र बन रहा है और इसी आकांक्षा के साथ वह अपनी मुद्रा- भारतीय रुपये को अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में अधिक स्वीकार्य बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास कर रहा है। बदलते भू-राजनीतिक वातावरण, डॉलर-निर्भरता से जुड़ी अनिश्चितताओं तथा बहुध्रुवीय आर्थिक व्यवस्था के उभार ने यह अवसर प्रदान किया है कि भारत क्षेत्रीय और वैशिक व्यापार में रुपये के उपयोग को बढ़ाए। इसी संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली की शुरूआत और इसे अनेक देशों के साथ लागू करने की कोशिश रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बनाने वाली निर्णायक पहल बनकर उभरी है।

रुपये के प्रसार के पीछे कई प्रेरक कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना है क्योंकि डॉलर आधारित भुगतान तंत्र अनेक बार राजनीतिक तनाव, प्रतिबंधों और वैशिक वित्तीय अस्थिरता के समय जोखिम पैदा करता है। रूसझ्रयूक्रेन संघर्ष के बाद भारत ने अनुभव किया कि डॉलर आधारित तंत्र के कारण कई लेनदेन बाधित हो जाते हैं और व्यापार प्रभावित होता है। यदि व्यापार सीधे स्थानीय मुद्राओं में हो, तो भुगतान अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकता है तथा विदेशी मुद्रा भंडार पर भी अनावश्यक दबाव नहीं पड़ता। साथ ही, कई देश अब अपने व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के प्रयोग की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे डॉलर-केंद्रित व्यवस्था धीरे-धीरे परिवर्तित हो रही है। भारत भी इस परिवर्तनशील प्रवृत्ति का स्वाभाविक हिस्सा है। भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि और बढ़ते व्यापारिक संबंध भी रुपये-आधारित निपटान की आवश्यकता को बढ़ाते हैं। उदाहरण के लिए, भारतझ्ररूस व्यापार पिछले दो दशकों में कई गुना बढ़ा है, परन्तु इस व्यापार में रुपये का उपयोग सीमित है। मुद्रा-आधारित विकल्प बढ़ने से न केवल व्यापार गति पकड़ता है बल्कि भारतीय निर्यातकों को विनिमय दर के उतारझ्रचढ़ाव और हेजिंग लागत से भी राहत मिलती है। दीर्घकाल में वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य मुद्रा भारत की आर्थिक शक्ति और राजनीतिक प्रभाव का संकेत भी बनती है। भारत के 30 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था और 1 खरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य की दिशा में यह एक अनिवार्य कदम माना जा रहा है। हालाँकि, रुपये के वैश्वीकरण के मार्ग में कई चुनौतियाँ भी हैं। अनेक देशों को अभी भी डॉलर या अपनी स्थानीय मुद्रा अधिक स्थिर विकल्प लगती है। कुछ देशों को रुपये की विनिमय दर की स्थिरता पर भरोसा कम है। व्यापारिक साझेदारों के साथ मूल्य-वृद्धि आधारित वस्तुओं का आदानझ्रप्रदान सीमित होने से भी रुपये के व्यापक प्रयोग की संभावना घटती है। भारतीय निर्यातकों में भी रुपये आधारित निपटान के प्रति जागरूकता कम है, जिसके कारण वे इस विकल्प का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। अंतरराष्ट्रीय भुगतान और संदेश प्रणाली की सीमित परस्पर संपर्कता भी रुपये की स्वीकार्यता को धीमा करती है, क्योंकि अभी भी बड़ी संख्या में देश पारंपरिक वैश्वीकरण संदेश तंत्र पर निर्भर हैं। इन चुनौतियों के बीच भारतीय रिजर्व बैंक की स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में बड़ा बदलाव लेकर आई है। इस प्रणाली के अंतर्गत भारत अब संयुक्त रूप से सहमत देशों के साथ सीधे रुपये में व्यापार कर सकता है। संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, मॉरीशस और मालदीव के साथ हुए समझौते इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे न केवल दोनों देशों के बीच व्यापार सुगम होगा बल्कि बैंकिंग लागत और भुगतान समय में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त भारतीय रिजर्व बैंक ने पड़ोसी देशों के बैंक एवं नागरिकों को रुपये में ऋण देने की अनुमति देकर नेपाल, भूटान और श्रीलंका जैसे देशों में रुपये के उपयोग को बढ़ावा दिया है।

भारत ने अपने त्वरित भुगतान तंत्र को कई देशों से जोड़कर एक नई वित्तीय संपर्क व्यवस्था विकसित की है। संयुक्त अरब अमीरात के साथ त्वरित भुगतान तंत्र का जुड़ना छोटे व्यापारियों, पर्यटकों और प्रवासी भारतीयों के लिए तत्काल भुगतान को सरल बनाता है, जिससे रुपये की उपयोगिता और स्वीकार्यता दोनों बढ़ती हैं। इसके साथ ही भारत अपनी वित्तीय संदेश प्रणाली को भी साझेदार देशों की प्रणालियों से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रहा है, जिससे परंपरागत वैश्विक संदेश तंत्र पर निर्भरता कम होगी। यह व्यवस्था भुगतान प्रक्रिया को राजनीतिक तनावों से सुरक्षित रखेगी और रुपये की विश्वसनीयता बढ़ाएगी। समग्र रूप से रुपये का अंतरराष्ट्रीयकरण भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक आकांक्षा का आधार है। स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली, डिजिटल भुगतान संपर्क, द्विपक्षीय वित्तीय संवाद और निर्यातकों की जागरूकता—ये सभी घटक मिलकर रुपये को वैश्विक व्यापार में अधिक उपयोगी और स्वीकृत मुद्रा बना सकते हैं। चुनौतियाँ अवश्य हैं, परंतु बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत के पास अवसर भी विशाल है। यदि भारत अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ आपूर्ति श्रृंखला को गहरा करे, भुगतान तंत्र को सरल बनाए और रुपये की स्थिरता को मजबूत करे, तो आने वाले वर्षों में रुपये की वैश्विक भूमिका निश्चित रूप से विस्तार पाएगी।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

परमसत्ता के आशीष से जीवन का प्रगति मार्ग

वर्तमान जीवनशैली में बड़ी भागमभाग है। दुनिया तेजी से बदल रही है, और शायद पहले जैसा समय नहीं रहा। जिनसे हम अपने जीवन में मिलते हैं, वे भी लगातार बदलते रहते हैं। यह परिवर्तन हमें कभी आश्चर्यचकित करता है, तो कभी परेशान करता है। लेकिन यदि हम उस परमशक्ति से जुड़कर यह अनुभव करें कि जो भी हो रहा है, वह एक अद्भुत और सही है, तो जीवन में एक नई दृष्टि और शांति प्राप्त होती है। हम समझ पाते हैं कि जीवन में हर अनुभव का एक उद्देश्य है। जीवन यात्रा में जब भी कोई समस्या या मुसीबत आती है, हम उस सर्वशक्तिमान को पुकारते हैं। जब सब कुछ सामान्य हो जाता है, तो उसका आभार व्यक्त करते हैं। ईश्वर ने मनुष्य को जो सम्मान दिया है, वह अद्वितीय है–हे ईश्वर! तू सबसे अलग और अनुपम है, तेरे जैसा दूसरा कोई नहीं। इस सांसारिक लोक में जब हमने जन्म लिया है, तब उस सर्वशक्तिमान ने हमें बहुत कुछ दिया है। आभार व्यक्त करने से मन को शांति मिलती है और हम निश्चिंत हो जाते हैं। कई बार हम सोचते हैं कि जो हो रहा है, वह हमसे ही हो रहा है, और किसी शक्ति का इसमें क्या लेना-देना है। लेकिन यह हमारा भ्रम है, असल में यह सब उस सर्वशक्तिमान की कृपा है। हमेशा यह याद रखें कि जीवन में जिस समय में हम होते हैं, वही सही समय होता है। अधर्म को छोड़कर जो भी कर्म हम करते हैं, वह हमें उस परम शक्ति द्वारा ही करवाया जाता है। इसलिए हमें हर कार्य को उत्साह, धैर्य, परिश्रम और आत्मविश्वास से करना चाहिए। जब हम हर कार्य को ईश्वर की इच्छा समझकर करते हैं, तो वह फल देने वाली शक्ति बन जाती है। फल की चिंता न करें। हर क्षण उस परम सत्ता के नजदीक रहें और उसके आभारी रहें। जब हम आस्थावान और कृतज्ञ होते हैं, तो जीवन के प्रत्येक क्षण में सकारात्मकता और खुशी का संचार होता है। अंततः, हमें अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने जीवन को संतुलित और आध्यात्मिक बनाना चाहिए, ताकि हम न केवल अपने व्यक्तिगत जीवन में शांति पा सकें, बल्कि समाज और संसार में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकें।

टिप्स

सर्दी-जुकाम से बचने के लिए घर में रखें ये 4 रामबाण चीजें

इस बार की सर्दी को लेकर अभी से वैज्ञानिक चेतावनी जारी करने में लगे हैं। ला नीना इफेक्ट की वजह से इस बार के मानसून में भारी बारिश देखने को मिली है। एक्सपर्ट के अनुसार, अगर यह इफेक्ट जारी रहता है, तो उत्तर भारत में इस बार भयंकर ठंड हो सकती है। इसके अलावा इंफेक्शन और पॉल्यूशन आदि का भी खतरा लोगों पर मंडरा सकता है। अधिक सर्दी और प्रदूषण होने के कारण लोगों को इंफेक्शन, फ्लू, बुखार, खांसी, ठंड लगना और अपर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन आदि हो सकता है। खासकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों की सेहत ज्यादा बिगड़ सकती है। क्योंकि बच्चों और बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम काफी कमजोर होता है। ऐसे में आप भी पंसारी से 4 चीजें लाकर घर में रखें और सर्दियां पड़ने पर इनका इस्तेमाल करें।

पीपली पाउडर : एक्सपर्ट के अनुसार, सर्दियों में पीपली का सेवन जरूर करना चाबिए। रोजाना इसका पाउडर कुछ चुटकी लेकर शहद के साथ खाना चाहिए। इसकी तासीर गर्म होती है, जोकि आपको सर्दी-खांसी से बचाने का काम करती है। यह पेट में अग्नि बढ़ाती है, जोकि ठंड में आमतौर पर काफी कम होती है।

मुलेठी : ठंड लगने की वजह से गले में सूजन, खराबी और दर्द की शिकायत हो सकती है। इसके लिए मुलेठी या फिर इसके पाउडर का सेवन करना चाहिए। इससे न सिर्फ गले में आराम मिलेगा, बल्कि खांसी और अपर रेस्पिरेटरी सिस्टम भी सही रहेगा।

सोंठ : अदरक को सुखाकर बनाए जाने वाले पाउडर को सोंठ कहा जाता है। सोंठ अदरक के मुकाबले ज्यादा गर्म होता है। इस कारण सर्दियों में सोंठ का सेवन किया जाता है। फ्लू, बुखार और कमजोर पाचन से यह बचाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**
www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

एक स्थाई वारंटी को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा

साहिबगंज:बरहेट थाना पुलिस ने थाना कांड संख्या 77/25 के मामले में चार आरोपी और एक स्थाई वारंटी को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा। वही स्थाई वारंटी हाथीगढ़ निवासी रताय मरांडी को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा दिया।थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना कांड संख्या 77/25 थाना पुलिस के साथ मारपीट करने के आरोप में चार अभियुक्त बरहेट थाना क्षेत्र के चिहाड़ पहाड़ के दिलीप मालतो पिता बामना पहाड़िया सोमाय पहाड़िया पिता कईया पहाड़िया,डलवा सूरजा पहाड़िया पिता धर्मा पहाड़िया,मसी पहाड़िया पिता काईया पहाड़िया और एक 2008 के स्थाई वारंटी हाथीगढ़ निवासी रताय मरांडी को जेल भेजा गया।

रेलवे हाई स्कूल के छात्रों ने सीनियर लेवल कुश्ती चैंपियनशिप में जिला का नाम किया रोशन

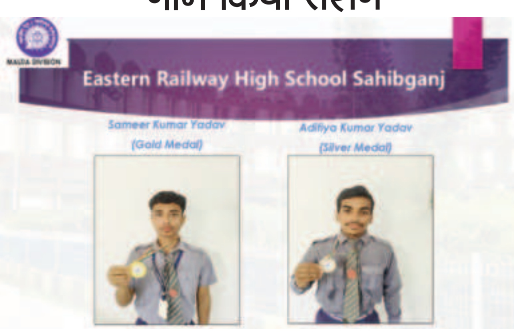

साहिबगंजः मालदा मंडल के अंतर्गत ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल, साहिबगंज के छात्रों ने हरिहरगंज पलामू, झारखंड में 14 से 16 नवंबर 2025 तक आयोजित सीनियर स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। झारखंड राज्य कुश्ती संघ द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप में राज्य भर के प्रतिभाशाली पहलवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने असाधारण कौशल, अनुशासन और खेल भावना का प्रदर्शन किया।एक गौरवपूर्ण उपलब्धि में, समीर कुमार यादव ने 45 किलोग्राम फ्री स्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता,जबकि आदित्य कुमार यादव ने 57 किलोग्राम फ्री स्टाइल वर्ग में रजत पदक हासिल किया। उनके शानदार प्रदर्शन ने ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल,साहिबगंज के साथ-साथ ईस्टर्न रेलवे,मालदा डिवीजन को भी गौरवान्वित किया है।इन युवा एथलीटों की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ उनके अटूट समर्पण,कठोर प्रशिक्षण और दृढ़ निश्चय को दशार्ती हैं।उनकी सफलता ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल,साहिबगंज में पोषित खेल उत्कृष्टता का प्रमाण है और निस्संदेह अन्य छात्रों को भी प्रतिबद्धता और जुनून के साथ खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।मालदा डिवीजन विजेताओं को बधाई देता है और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता है।

एक स्थाई वारंटी को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा

साहिबगंज : बरहेट थाना पुलिस ने थाना कांड संख्या 77/25 के मामले में चार आरोपी और एक स्थाई वारंटी को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा। वही स्थाई वारंटी हाथीगढ़ निवासी रताय मरांडी को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा दिया।थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना कांड संख्या 77/25 थाना पुलिस के साथ मारपीट करने के आरोप में चार अभियुक्त बरहेट थाना क्षेत्र के चिहाड़ पहाड़ के दिलीप मालतो पिता बामना पहाड़िया सोमाय पहाड़िया पिता कईया पहाड़िया,डलवा सूरजा पहाड़िया पिता धर्मा पहाड़िया,मसी पहाड़िया पिता काईया पहाड़िया और एक 2008 के स्थाई वारंटी हाथीगढ़ निवासी रताय मरांडी को जेल भेजा गया।

अधिकारी बनकर साइबर ठगी करने वाले तीन गिरफ्तार

देवघर : साइबर पुलिस ने विभिन्न कस्टमर केयर अधिकारी बनकर लोगों को ठगने वाले तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. यह जानकारी देते हुए साइबर डीएसपी राजा कुमार मित्रा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में करौं थाना क्षेत्र के डुमरथर गांव निवासी प्रभाकर दास, सारवां थाना क्षेत्र के चरघरा गांव निवासी प्रवीण कुमार और जसीडीह थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव निवासी उत्तम कुमार दास शामिल है. पुलिस ने इनलोगों के पास से चार मोबाइल फोन, तीन सिम कार्ड व एक प्रतिबिंब सिम बरामद किया है. जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी ग्रामीणों को पीएम किसान योजना के तहत ट्रैक्टर, कृषि उपकरण और अन्य लाभ दिलाने का झांसा देते थे. ये सभी खुद को कृषि विभाग का अधिकारी बताकर फोन करते थे और भरोसा जीतने के बाद पीड़ितों को लिंक भेजते थे. लिंक पर क्लिक करवाकर उनसे पैसे की ठगी की जाती थी. पुलिस पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी फर्जी फोन पे और पेटीएम कस्टमर केयर अधिकारी बनकर उपभोक्ताओं को कैशबैक का लालच देते थे और उनसे बैंकिंग जानकारी हासिल कर खाते से पैसे उड़ा लेते थे. पुलिस ने सभी आरोपितों को सारवां थाना क्षेत्र के गोरेमारा जंगल से गिरफ्तार किया है. छापेमारी दल का नेतृत्व साइबर थाना के इंस्पेक्टर त्रिलोचन तामसोय कर रहे थे, जिनके साथ एसआई ललित खलखो और सशस्त्र बल शामिल थे. कोर्ट में पेशी के बाद सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. उल्लेखनीय है कि जनवरी से अब तक देवघर जिले में साइबर ठगी के 688 आरोपित गिरफ्तार किये जा चुके हैं. पुलिस ने इनके पास से 846 मोबाइल फोन और 1083 सिम कार्ड बरामद किये हैं, जिसमें 254 प्रतिबिंब एप पर अपलोड सिम बरामद हुआ है.

भागवत कथा के तीसरे दिन भक्त प्रह्लाद व ध्रुव की कथा सुन भावविभोर हुए श्रोता

पालोजोरीः पालोजोरी बाजार से सटे फाड़ासिमल शनिमंदिर परिसर में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी. कथावाचक श्रीधाम वृंदावन के श्रीहित कुलदीप कृष्ण जी महाराज ने श्रद्धालुओं को भक्त ध्रुव व प्रह्लाद की कथा सुनायी. कथावाचक ने श्रद्धालुओं को कथा के माध्यम से लोगों को भक्त व भगवान के बीच के रिश्ते के बारे में समझाया. कहा कि अगर हम दृढ़ इच्छा व साफ मन से भगवान की भक्ति करेंगे, तो भगवान हर परिस्थिति में हमारी सहायता करते हैं. कथा के माध्यम से उन्होंने बताया कि इस ब्रह्मांड का श्रृष्टीकर्ता, संचालनकर्ता व संहारकर्ता कौन हैं, साथ ही विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से बताया कि किस तरह से भक्ति के आगे भगवान झुकते हैं. बताया कि ब्रह्मा, विष्णु व महेश को सृष्टि के निमार्ता, संचालक व संहारक की संज्ञा क्यों दी गयी है. इस संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के दौरान झांकी की प्रस्तुति भी दी गयी. इसको देख श्रद्धालु मंत्र मुग्ध हो गये. कथा सुनने के लिए पालोजोरी, फाड़ासिमल, दसियोडीह, ठेंगाडीह, भुरकुंडी, बंसबुटिया, जमुना सहित आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों का जुटान हो रहा है. वहीं कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संचालन में कमेटी के सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं.

अज्ञात अपराधी ने जमीन माफिया को गोली मार कर की हत्या मौत

संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाडी थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ा पचगढ़ कमर्शियल में बीती रात लगभग 11:30 बजे अज्ञात अपराधियों ने जमीन माफिया गुलशन कुमार उर्फ मुंशी उम्र 25 वर्ष की गोली मारकर मौत का घाट उतार दिया।मिली जानकारी के अनुसार बीते रात बड़ा पचगढ़ कमर्शियल स्थित अपने दोस्त राहुल पासवान की शादी के बहू भोज खाने के लिए गया हुआ था।उसी दरमियान अज्ञात अपराधियों ने गुलशन कुमार उर्फ मुंशी को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया।वही घटना की जानकारी मिलते ही जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर घटनास्थल से घायल व्यक्ति को इलाज हेतु जिला सदर अस्पताल लाया गया।जहां डॉक्टर के द्वारा मृत घोषित कर दिया गया।वहीं दूसरी ओर परिजन ने बताया कि हम लोग चार भाई में से सबसे छोटा भाई गुलशन था।इसकी शादी डेढ़ साल पूर्व हुआ था।इसका कोई भी बाल बच्चा नहीं है।परिजन ने कहा की मेरा भाई बहू भोज खाकर घर चलाया था।फिर थोड़ी देर के बाद मोटरसाइकिल भूल जाने के कारण वहां गया था।वहां पहुंचते ही पहले से घात लगाकर अज्ञात अपराधी बैठे हुए थे । और मेरा भाई को कंधा के नीचे सीना में गोली मार दी गई जिससे इसकी मौत हो गया। हम लोगों को इसकी सूचना रात के लगभग 1:30 बजे चला है।जबकि थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि मामला जो भी हो इस और प्रत्येक बिंदु पर कार्रवाई की जाएगी हालांकि घटनास्थल से तीन लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए थाना लाया गया है।हत्यारा जो भी हो कानून से बढ़कर नहीं है।समाचार लिखे जाने तक पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी था।

विश्व बाल दिवस पर बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता

साहिबगंज : विश्व बाल दिवस के अवसर पर बच्चों के अधिकारों सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु नगरपालिका कन्या उच्च विद्यालय नया टोला पुरानी साहिबगंज में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साहिबगंज की अध्यक्षता में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में बताया गया कि विश्व बाल दिवस हर वर्ष 20 नवंबर को दुनियाभर के बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा और कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। यह दिवस 1954 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित किया गया था तथा 1959 में बाल अधिकारों की घोषणा और 1989 में बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय की स्वीकृति इसी दिन होने के कारण यह विशेष महत्व रखता है।जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी ने बच्चों की शिक्षा स्वास्थ्य सुरक्षा बाल अधिकारों किशोर न्याय अधिनियम बाल श्रम बाल तस्करी बाल विवाह, प्रायोजन योजना आफ्टर केयर और फोस्टर केयर जैसी विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चों का सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करना समाज की साझा जिम्मेदारी है।चाइल्ड हेल्पलाइन साहिबगंज के परियोजना समन्वयक ने बताया कि जरूरतमंद, असहाय, शोषित बाल मजदूरी में संलिप्त भटकते बच्चों को देखकर 1098 पर तुरंत सूचना दें। यह सेवा पूरी तरह निशुल्क एवं 247 उपलब्ध है। कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन साहिबगंज के कर्मी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी सेविका सहायिका की नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के लिए दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में समाज कल्याण एवं कल्याण विभाग अंतर्गत चलाई जा रही योजनाओं का विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान जिले में निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी केंद्रों का निर्माण तय समयसीमा में पूर्ण कर विभाग को हैण्डओवर सुनिश्चित किया जाए। आंगनबाड़ी सेविका सहायिका की नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने हेतु भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।उपायुक्त ने सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, पोषण ट्रैकर ऐप, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना कन्यादान योजना सहित आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन और सेवा वितरण से संबंधित बिंदुओं की भी विस्तृत समीक्षा की।कल्याण विभाग की समीक्षा के क्रम में मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना साइकिल वितरण योजना अत्याचार अनुदान मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना बिरसा मुंडा आवास, जाहेरस्थान व कब्रिस्तान की घेराबंदी, धुमकुड़िया हाउस, मांझी थान, शहीद ग्राम विकास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, एमपीसु , पीएमएजीजीवाई योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, कार्यपालक अभियंता प्रमोद आनंद, बाल विकास परियोजना अधिकारी महिला पर्यवेक्षिकाएँ उपस्थित रहीं।

नेत्रहीन एवं स्पैस्टिक दिव्यांग आवासीय विद्यालय मे भोजन व कंबल का वितरण

साहिबगंज : नगर के स्टेडियम रोड स्थित नेत्रहीन एवं स्पैस्टिक दिव्यांग आवासीय विद्यालय में बच्चों के बीच किया गया भजन व कंबल का वितरण बताया जा रहा है कि झारखंड में तापमान सर्द होना शुरू हो गया है।धीरे-धीरे हवाए सुबह-सुबह काम कंपकपाने लगी है एहसास अब होने लगा है ऐसे में जरूरतमंदों को ठंड से निपटने के लिए कंबल का वितरण किया गया बताया जा रहा है कि नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुलीपाड़ा दहिया टोला निवासी मुन्ना पासवान ऊर्फ संजीत कुमार पासवान के द्वारा नेत्रहीन एवं स्पैस्टिक दिव्यांग आवासीय विद्यालय भोजन एवं कंबल का वितरण किया गया उन्होंने बताया कि असहाय या गरीब है तो उनकी मदद जरूर करें क्योंकि मानव सेवा ही परम धर्म है.वहीं इस नेक कर्म में समाजसेवी मुन्ना पासवान ऊर्फ संजीत पासवान के माता व पिता ने भी नेक कार्य में हिस्सा लिया इस अवसर पर कहा कि कहां की मुख्य उद्देश्य मानव सेवा है लोगों की मदद के लिए आगे आता हूं और समाज कल्याण के कार्य में सक्रिय भूमिका निभाता हूँ मौके पर मनीष कुमार,मुन्ना पासवान,जयन्नाथ पासवान,अदिति राज, अर्पित राज,सोनू कुमार,बिट्टू कुमार, सिकंदर कुमार,प्रमोद कुमार,अर्पिता कुमारी,अनुराग कुमार आदि मौजूद थे।

नियमित टीकाकरण को छूटने न दें : सिविल सर्जन

संवाददाता

साहिबगंज : सिविल सर्जन-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी साहिबगंज डॉ.रामदेव पासवान द्वारा उपस्वास्थ्य केंद्र पहाड़पुर बोरियो के अंतर्गत स्थित दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र देवपहाड़ में आयोजित नियमित टीकाकरण सत्र का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सत्र स्थल पर उपस्थित सहिया एवं अन्य फ्रंटलाइन स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा संचालित सभी टीकाकरण प्रक्रियाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

सिविल सर्जन द्वारा निम्न बिंदुओं की विशेष रूप से जाँच की गई।सत्र स्थल की तैयारी एवं सेशन-साइट व्यवस्था सभी उपलब्ध वैक्सीन एवं लॉजिस्टिक्स की स्थिति कोल्ड-चेन सामग्री, वैक्सीन कैरियर, आइस पैक उपयोगऑटो-डिसेबल सिरिंज, एमसीपी कार्ड, टीकाकरण रजिस्टर बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण की स्थिति,एइएफएल प्रबंधन हेतु आवश्यक तैयारी उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि टीकाकरण की प्रत्येक प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुरूप की जाए व कोल्ड-चेन के अनुशासन का कठोरता से पालन सुनिश्चित किया जाए।जिलेभर के , टीम से के माध्यम से संवाद देवपहाड़ से ही सिविल सर्जन साहिबगंज ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उस दिन संचालित सभी आर आई सत्रों में कार्यरत एएन एम, एमओआईसी व बीपीएमयु टीम से सीधे संवाद स्थापित किया। भीसी के दौरान निम्न दिशा-निर्देश जारी किए गए आर आई सत्र का समय पर प्रारंभ एवं समय पर समापन हर हाल में सुनिश्चित करें।प्रत्येक सत्र में वैक्सीन, सिरिंज, सेफ्टी बॉक्स, कार्ड, सेशन रजिस्टर, किट आदि की पूर्ण उपलब्धता रहे।कोल्ड-चेन उल्लंघन न हो; वैक्सीन कैरियर का सही उपयोग सुनिश्चित करें।किसी भी बच्चे बूस्टर नियमित टीकाकरण को छूटने न दें।इसके लिए हाउस-टू-हाउस ट्रैकिंग अनिवार्य रूप से करें।सभी गर्भवती महिलाओं का टीटी/टीडीटीकाकरण समय पर सुनिश्चित किया जाए। सभी एएन एम प्रतिदिन आर आई सत्र की फोटो एवं रिपोर्ट समय पर अपलोड करें।डॉ. पासवान ने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण टीकाकरण सेवा सुनिश्चित करना जिला स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है, और इसके लिए निरंतर मॉनिटरिंग एवं फील्ड समीक्षा जारी रहेगी।

योजनाओं का अधिक लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को सक्रिय रूप से कार्य करे : उपायुक्त

जिला स्तरीय एक दिवसीय रबी कार्यशाला सम्पन्न

संवाददाता

साहिबगंज : कृषि पशुपालन सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार के निदेशानुसार सिद्धो-कान्हू सभागार साहिबगंज में जिला स्तरीय एक दिवसीय रबी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपायुक्त साहेबगंज द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला परिषद अध्यक्षा और उप विकास आयुक्त, साहेबगंज उपस्थित रहे।उपायुक्त ने कृषि सम्बद्ध विभागों के पदाधिकारियों प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, बीटीएम एटीएम कृषक मित्रों को किसानों से सीधे जुड़कर कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी प्रखण्डों में रबी कार्यशाला आयोजित कर अधिक-से-अधिक किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने किसानों को समय पर बीज वितरण करने पर विशेष जोर दिया।उप विकास आयुक्त साहीबगंज ने आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान अधिक से अधिक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। धान की अच्छी उपज को देखते हुए धान अधिप्राप्ति हेतु ई-उपार्जन पोर्टल पर किसानों का शीघ्र निबंधन सुनिश्चित करने पर बल दिया।जिला परिषद अध्यक्षा ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड, झारखंड राज्य मिलेट मिशन, सिंचाई सुविधा एवं सोलर पम्पसेट जैसी सरकारी योजनाओं का अधिक लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को सक्रिय रूप से कार्य करने का निर्देश दिया।कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान-सह-वरीय वैज्ञानिक ने बागवानी एवं सब्जी उत्पादन तकनीक, बीज उपचार तथा फसलों में कीट-व्याधि प्रबंधन पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। रबी मौसम को ध्यान में रखते हुए फसलों की समय से बोआई शुरू करने की सलाह दी।जिला कृषि पदाधिकारी, साहिबगंज ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बिरसा फसल विस्तार योजना के चयनित संकुलों में शत-प्रतिशत अनुदान पर बीज वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही पहाड़िया आदिम जनजाति के किसानों के बीच सरसों एवं मसूर बीज वितरण पर बल दिया। आत्मा, साहेबगंज द्वारा शून्य बजट प्राकृतिक खेती पर विशेष प्रस्तुतिकरण दिया गया।कार्यशाला में भूमि संरक्षण पदाधिकारी, अग्रणी बैंक प्रबंधक, नाबार्ड, जेएसएलपीएस, जिला सहकारिता पदाधिकारी एवं जिला पशुपालन पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों ने अपने-अपने विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।इस कार्यशाला में जिले के सभी प्रखण्डों के प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, बीटीएम, एटीएम, जनसेवक, कृषक मित्र एवं प्रगतिशील किसान सहित लगभग 221 प्रतिभागी उपस्थित हुए। कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

किस किसको प्यार करूँ 2 'फुर्र' इंटरनेट का नया पार्टी पसंदीदा बना

हनी सिंह और कपिल शर्मा की जोड़ी ने मचाया धमाका

पहली बार हनी सिंह और कपिल शर्मा परदे पर साथ आए हैं, और आते ही दोनों ने दर्शकों पर कमाल का जादू चला दिया। उनका नया गीत फुर्र ज़बरदस्त धूम मचा रहा है। दर्शक उनकी ताज़गी भरी, ऊर्जावान और मज़ेदार जोड़ी को देखकर खूब खुश हो रहे हैं। उनकी बेफ़िक्र तालमेल, खिलखिलाता अंदाज़ और परदे पर लाया गया जोश लोगों को बेहद पसंद आ रहा है। फुर्र अब तक पच्चीस मिलियन से अधिक लोगों तक पहुँच चुका है और इस साल का सबसे चर्चित गाना बन गया है। यह गीत 'साल का पार्टी गाने' के रूप में सराहा जा रहा है। लोग इसके तेज़-तर्रार संगीत और दोनों की धमाकेदार मौजूदगी पर लगातार झूम रहे हैं। मीका सिंह और किकू शारदा द्वारा इसे अपनी इंस्टाग्राम कहानी पर साझा करने से इसका उत्साह और बढ़ गया। किस किसको प्यार करूँ 2 को लेकर दर्शकों की उत्सुकता अब और बढ़ गई है। फ़िल्म में कपिल शर्मा के साथ मंजोत सिंह, आयशा ख़ान, त्रिधा चौधरी, हीरा वरीना और पारुल गुलाटी दिखाई देंगे। फुर्र की ज़बरदस्त सफलता के बाद फ़िल्म की रफ़्तार और मज़बूत हो गई है।

राम माधवानी की स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर श्रॉफ की एंट्री

बिल्कुल अलग अवतार में नजर आएंगे एक्टर

अभिनेता टाइगर श्रॉफ एक बार फिर एक्शन का दम दिखाते नजर आएंगे। निर्देशक राम माधवानी की फिल्म उनके हाथ लगी है, जिसमें वे कभी न देखे गए अवतार में दिखेंगे।

टाइगर श्रॉफ ने अपने एक्शन से इंडस्ट्री में अलग छाप छोड़ी है। उनका यह हुनर उनकी फिल्मों में भी नजर आता है। टाइगर ने 'बागी' फ्रेंजाइजी, 'हीरोपंती' और 'वॉर' के साथ एक्शन का एक एंपायर बनाया है। अब वे एक कदम और आगे बढ़ते हुए एक्शन में नया धमाल करते दिखेंगे। दरअसल, राम माधवानी की आगामी स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर लीड रोल अदा करने वाले हैं, जिसमें उनका धांसू एक्शन अवतार देखने को मिलेगा।

पारंपरिक एक्शन फिल्मों से अलग होगी यह फिल्म

टाइगर श्रॉफ ने निर्माता-निर्देशक राम माधवानी की आगामी फिल्म साइन की है। यह स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में टाइगर को एक ऐसे अवतार में देखा जाएगा, जैसे वे पहले कभी नजर नहीं आए। महावीर जैन फिल्म्स और राम माधवानी फिल्म्स द्वारा इस फिल्म को प्रोड्यूस किया जाएगा। यह बॉलीवुड की पारंपरिक एक्शन फिल्मों से एक कदम आगे साबित होगी।

जापान में होगी शूटिंग

राम माधवानी की यह फिल्म सिर्फ भारतीयों को ही नहीं, बल्कि वैश्विक दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाइगर इस फिल्म के लिए तैयारी में जुट गए हैं। कहा जा रहा है कि इसके प्रोडक्शन का एक बड़ा हिस्सा जापान में शूट किया जाएगा। यह भारतीय सिनेमा में पहले कभी न आजमाए गए कॉन्सेप्ट पर आधारित होगी।

बाकी स्टारकास्ट के नाम फाइनल होने बाकी

फिलहाल टाइगर पहले अभिनेता हैं, जो इस फिल्म का हिस्सा बने हैं। फिल्म के लिए फीमेल लीड और नेगेटिव रोल निभाने के लिए एक्टर की तलाश जारी है। इसके अलावा अन्य सपोर्टिव रोल के लिए भी कास्ट फाइनल होनी बाकी है। टाइगर इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिलहाल राम माधवानी और महावीर जैन, दोनों अपनी-अपनी टीमों के साथ फिल्म के पहले लुक पर काम कर रहे हैं, जिसे आधिकारिक घोषणा के साथ जल्द ही रिवील किए जाने की उम्मीद है।

पुलकित सम्राट की फिल्म राहु केतु होगी 16 जनवरी 2026 को रिलीज़, फुकरे स्टार ने की घोषणा

पुलकित सम्राट अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं, जो रिलीज़ होगी अगले साल की शुरुआत में, यानी कि 16 जनवरी 2026 को। पुलकित की इस घोषणा ने उनके फैंस, खासकर फुकरे के दर्शकों में जबरदस्त उत्साह फैला दिया है, जो पुलकित को एक नए, दमदार अवतार में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

सालों से अपनी बेहतरीन एक्टिंग और प्यारी स्क्रीन प्रेज़ेंस से दर्शकों का दिल जीतने वाले पुलकित अब 'राहु केतु' के साथ एक नए अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं। यह फिल्म उन्हें एक पावर-पैक्ड, मास-अपीलिंग किरदार में पेश करेगी, जो उनके दर्शकों के दिलों में सीधा उतरने वाला है। फिल्म की खास बात यह है कि इसमें फुकरे फ्रैंचाइज़ी की पसंदीदा जोड़ी, पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा एक बारे फिर अपने मज़ेदार अंदाज़ से दर्शकों का मनोरंजन करते नज़र आएँगे। गौरतलब है कि पुलकित के लिए 'राहु केतु' एक ऐसी फिल्म है, जो कॉमेडी, फैंटेसी, ड्रामा और रोचक कहानी को मिलाकर बनाई गई है, और उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का शानदार मौका देती है।

विपुल विग द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शंस ने किया है। साथ ही फिल्म में पुलकित के साथ महत्वपूर्ण भूमिका में नज़र आ रहे वरुण शर्मा भी अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और स्क्रीन प्रेज़ेंस के लिए जाने जाते हैं। इनके साथ ही इस फिल्म में शालिनी पांडे भी नजर आएंगी, जिन्होंने अपनी पिछली फिल्मों में दमदार प्रदर्शन के जरिए दर्शकों को प्रभावित किया है।

हालांकि 16 जनवरी 2026 रिलीज़ डेट तय होने के साथ ही यह उम्मीद भी जग गई है कि 2026 में रिलीज़ होने जा रही 'राहु केतु' के साथ न सिर्फ पुलकित सम्राट अपनी शानदार और धमाकेदार वापसी करेंगे, बल्कि इस फिल्म के साथ फिल्मों के नज़रिए से नए साल की शानदार शुरुआत होगी, जो सिनेमा प्रेमी दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगी।

नील भट्ट से अलगाव की खबरों के बीच एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा ने फैंस से की ये भावुक अपील

टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट की शादीशुदा जिंदगी में आए मनमुटाव और अलगाव की खबरों के बीच ऐश्वर्या शर्मा ने ट्रोलर्स को जवाब दिया। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों और अफवाहों पर अपना पक्ष रखा। ऐश्वर्या शर्मा ने सोमवार को इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में कहा, ''मैंने कभी किसी को परेशान नहीं किया या किसी के साथ भी बुरा व्यवहार नहीं किया, बल्कि अपने प्रोफेशनलिज्म को हमेशा बनाए रखा। बावजूद इसके मुझे लगातार ट्रोल किया गया, जिसे मैंने हमेशा हंसते-हंसते सहन किया है। मेरे खिलाफ जो अफवाहें फैलाई जा रही हैं, वे गलत हैं और उन पर विश्वास करने से पहले लोगों को सच जानना चाहिए।'' ऐश्वर्या ने अपने पोस्ट में कहा कि उन्होंने कभी किसी को बुली नहीं किया। वे खुद ही बुली की शिकार हैं, जो आम लोगों की नजर में क्यों नहीं आ पाता। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी व्यक्ति को बिना पहचाने उसके बारे में गलत बातें न फैलाएं। नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा की पहली मुलाकात टीवी सीरियल 'गुम है किसी के प्यार में' के सेट पर हुई थी। इस सेट पर उनकी दोस्ती ने धीरे-धीरे प्यार का रूप ले लिया और सिर्फ एक साल के भीतर दोनों ने शादी कर ली।

शादी के बाद दोनों कई बार साथ में टीवी शो में नजर आए। वे 'बिग बॉस 17' में भी दिखाई दिए, जहां उनके बीच की केमिस्ट्री को लोगों ने खूब सराहा, हालांकि बिग बॉस के दौरान ऐश्वर्या को कई बार नील पर गुस्सा करते हुए देखा गया, लेकिन हर बार नील प्यार और समझदारी से उनके गुस्से को शांत कर देते थे। पिछले कुछ महीनों से उनके रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगीं और दोनों के अलग रहने की खबरें सामने आने लगीं। सोशल मीडिया पर दोनों ने एक-दूसरे के साथ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करना भी बंद कर दिया है।

अपारशक्ति खुराना: आवाज से श्रोताओं का दिल जीता फिर दंगल से बॉलीवुड में जमाए पैर

बॉलीवुड में कई ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत और खास अंदाज से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। एक्टर अपारशक्ति खुराना उन्हीं में से एक है, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि उनकी पहचान एक्टिंग या किसी फिल्म सेट से नहीं, बल्कि एक ऐसे मंच से हुई, जिसे लोग रोजाना अपने घरों, गाड़ियों और मोबाइल पर सुनते हैं, जहां आवाज ही असली पहचान होती है। अपारशक्ति खुराना का जन्म 18 नवंबर 1987 को चंडीगढ़ में हुआ। उनका परिवार शिक्षा, कला और साहित्य से गहराई से जुड़ा था। पिता लेखक और ज्योतिषी थे। बड़े भाई आयुष्मान खुराना पहले ही थिएटर और टेलीविजन में कदम रख चुके थे, लेकिन अपारशक्ति का रास्ता थोड़ा अलग था। बचपन से ही वह खेल, लेखन और लोगों से बातचीत में काफी आगे थे। स्कूल और कॉलेज में उन्हें स्पोर्ट्स, म्यूजिक और डिबेट का माहौल मिला। दिलचस्प बात यह है कि वे हरियाणा की अंडर-19 क्रिकेट टीम के कप्तान भी रह चुके हैं। पढ़ाई पूरी होने के बाद उन्होंने मुंबई की ओर रुख किया। हालांकि यह सफर बिल्कुल आसान नहीं था। शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आता था कि किस दिशा में बढ़ना चाहिए। इसी बीच उन्हें रेडियो जॉकी बनने का मौका मिला। यही वह जगह थी, जिसने अपारशक्ति की असली प्रतिभा को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी आवाज न सिर्फ आकर्षक थी, बल्कि उनका बोलने का अंदाज, चुटीला ह्यूमर और लोगों को सहज महसूस कराने की कला उन्हें जल्दी ही लोकप्रिय बना गई। वे रेडियो पर न सिर्फ गाने प्ले करते थे, बल्कि बातचीत में ऐसा मजा और ताजगी भर देते थे कि श्रोता सिर्फ उनको सुनने के लिए रेडियो ऑन रखते थे। यही अनुभव आगे चलकर अपारशक्ति के अभिनय में भी दिखाई दिया। उनके डायलॉग्स में सहजता, चेहरे पर मुस्कान और हर सीन में एनर्जी भरपूर होती है। रेडियो में लोकप्रियता ने उन्हें टीवी और इवेंट होस्टिंग तक पहुंचाया। धीरे-धीरे मंच पर बोलना, कैमरे के सामने खड़ा होना और दर्शकों का मनोरंजन करना उनके स्वभाव का हिस्सा बन गया।

स्ट्रेस-बस्टर साबित होगी मस्ती 4

बॉलीवुड की दुनिया में कुछ फिल्में मनोरंजन के साथ-साथ हंसी और मस्ती का भरपूर अनुभव कराती हैं। ऐसी ही एक फिल्म है 'मस्ती 4', जो जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को लेकर अभिनेत्री रुही सिंह ने एक इंटरव्यू में अपने अनुभव और विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि

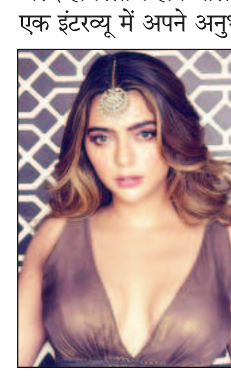

फिल्म में हर तरह के दर्शक का ध्यान रखा गया है और यह फिल्म देखने वालों के लिए एक हल्का-फुल्का मनोरंजन और स्ट्रेस-बस्टर साबित होगी। रुही सिंह ने कहा कि हर फिल्म का अपना अलग मजा होता है और 'मस्ती 4' उसी की एक बेहतरीन मिसाल है। फिल्म में हंसी का पूरा खजाना है और अगर कोई अपने दिनभर के तनाव से छुटकारा पाना चाहता है तो यह फिल्म उनके लिए परफेक्ट है। रुही ने कहा कि इस फिल्म को देखने के लिए ज्यादा सोचने-समझने की जरूरत नहीं है, बस थिएटर जाएं और दिल खोलकर हंसें। उन्होंने आगे बताया कि मस्ती फ्रेंचाइजी हमेशा अपने खास दर्शक वर्ग के लिए बनती आई है और हर फिल्म का अपना अलग अंदाज और स्वाद होता है। 'मस्ती 4' इसी शैली को आगे बढ़ा रही है और इसमें दर्शक बिना किसी तनाव या चिंता के फिल्म देख सकते हैं। रुही ने आफताब शिवदसानी के साथ अपनी जोड़ी के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'आफताब बेहद मिलनसार इंसान हैं।

कई सालों तक निर्देशक आनंद एल. राय के पीछे पड़ी रही कृति सेनन

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री कृति सेनन ने अपनी आने वाली फिल्म 'तेरे इश्क में' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर फिल्म और अपने अनुभवों को लेकर बातचीत की। कृति ने फिल्म निर्देशक आनंद एल. राय के साथ काम करने की ख्वाहिश के बारे में बताया। अभिनेत्री ने कहा कि उनकी जिंदगी का एक सपना था कि वह किसी प्यार भरी कहानी में आनंद एल. राय के निर्देशन में काम करें और अब यह सपना आखिरकार पूरा हुआ है। कृति सेनन ने कहा कि वह सालों से आनंद एल. राय से मिलती रही हैं और कई बार उनसे उनके साथ काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में बताया, ''मैं सालों से उनके पीछे लगी हुई थी और हमेशा कहती थी कि मुझे उनके निर्देशन में एक रोमांटिक फिल्म करनी है। यह मेरी सबसे बड़ी ख्वाहिश थी।'' उन्होंने कहा कि प्यार और रोमांस की कहानियां आजकल कम हो गई हैं और यह देखकर अच्छा नहीं लगता। रोमांटिक और लव स्टोरी केवल मनोरंजन नहीं है, बल्कि ऐसी कहानियां हैं जिनमें दिल की गहराई और जज्बात छिपे होते हैं।

कृति ने इस फिल्म के अपने किरदार मुक्ति के अनुभव के बारे में भी विस्तार से बताया

कृति ने कहा, ''मैं हमेशा अपने रोल के लिए पूरी तैयारी करती हूं और शूटिंग शुरू होने से पहले हर छोटी-बड़ी चीज सीख लेती हूं, लेकिन इस बार आनंद सर ने मुझे सुझाव दिया कि मैं पूरी तरह खुलकर रोल को महसूस करूं और पहले से कोई तैयारी न करूं। मैंने इस किरदार को एक चुनौती की तरह लिया और शूटिंग के दौरान धीरे-धीरे मुक्ति का किरदार अपने अंदर ढूंढा। यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया था, क्योंकि मैंने पहले कभी बिना तैयारी के रोल को इस तरह महसूस नहीं किया था। कृति ने बताया कि इस प्रक्रिया ने उन्हें पूरी तरह से खुला महसूस कराया। वह अपने आप को एक 'खाली पन्ने' की तरह ले आईं और शूटिंग के दौरान ही किरदार की हर परत और भाव को खोजा।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम घोषित, केमर रोच, केवेम हॉज की वापसी

नई दिल्ली : वेस्टइंडीज ने दिसंबर में होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए अपनी टेस्ट टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें अनुभवी तेज गेंदबाज केमर रोच और ऑलराउंडर केवेम हॉज की वापसी हुई है। दोनों खिलाड़ियों ने आखिरी बार पाकिस्तान के मुल्तान में जनवरी में खेले गए टेस्ट में हिस्सा लिया था। टीम में रोच को शामिल किए जाने से अपेक्षाकृत अनुभवहीन तेज आक्रमण को मजबूती मिलेगी। इस आक्रमण में 29 वर्षीय ओजे शील्ड्स भी शामिल हैं, जिन्हें पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। हालांकि, तेज गेंदबाज शमार जोसेफ और अल्जारी जोसेफ

चोटों के कारण इस दौरे से बाहर हैं। बाएं हाथ के स्पिनर खैरी पियरे को टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि हॉज को पुनः मौका दिया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट माइल्स बासकॉम्ब ने कहा,ह्लन्यूजीलैंड हमेशा से किसी भी टीम के लिए कठिन स्थान रहा हैङ्क एंटीगा में हाल ही में आयोजित हाई-परफॉर्मेंस कैंप को न्यूजीलैंड की परिस्थितियों, खासकर तेज गेंदबाजी मददगार पिचों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था।

रोच और शील्ड्स समेत कई खिलाड़ियों ने इस दो सप्ताह के कैंप में हिस्सा लिया और वे 20 नवंबर को न्यूजीलैंड में मौजूदा वनडे टीम के साथ जुड़ेंगे। टीम न्यूजीलैंड क के खिलाफ क्राइस्टचर्च में दो दिवसीय वार्म-अप मैच खेलेगी। यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र का हिस्सा होगी। वेस्टइंडीज अब तक खेले गए अपने सभी पांच टेस्ट मैच हारकर तालिका में सबसे नीचे है। दूसरी ओर न्यूजीलैंड इस चक्र का अपना पहला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेगा। न्यूजीलैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज टेस्ट टीम इस प्रकार है-

रोस्टन चेज (कप्तान), जोमेल वॉरिकन (उप-कप्तान),एलिक अथनाजे, जॉन कैंपबेल, तेग नारायण चंद्रपॉल, जस्टिन ग्रेव्स, केवेम हॉज, शाई होप, टेविन इमलाच, ब्रैंडन किंग, जोहान लेन

एंडरसन फिलिप, केमर रोच, जेडन सील्स, ओजे शील्ड्स।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज कागपुर को देंगे बड़ी सौगात 39.80 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

एजेंसी

भोपाल : मप्र के विदिशा जिले की आदर्श ग्राम पंचायत कागपुर आज शुक्रवार को विकास की नई दिशा देखने वाली है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यहां 39.80 करोड़ रुपये लागत के अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इन परियोजनाओं से ग्राम पंचायत कागपुर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र को बेहतर सुविधाएँ, उन्नत अवसंरचना और नए अवसर प्राप्त होंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जारी आज के कार्यक्रम के अनुसार कागपुर आगमन के दौरान शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र में स्वीकृत 34.05 करोड़ रुपये की लागत वाले 135 नवीन सामुदायिक भवनों का

भूमिपूजन करेंगे। ये सामुदायिक भवन ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक उपयोग, बैठक, प्रशिक्षण और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए मजबूत आधार तैयार करेंगे। इसी के साथ कागपुर (कनारी) से विदिशाझ्अशोकनगर मार्ग के निर्माण का भूमिपूजन होगा, जिससे परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ होगी और ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। कागपुर को एक और महत्वपूर्ण उपहार 5.75 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हाट बाजार के लोकार्पण के रूप में मिलेगा। यह नया हाट बाजार स्थानीय व्यापार, कृषि उपज के विपणन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, ह्लहमारा लक्ष्य हर ग्राम पंचायत को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। कागपुर जैसे आदर्श ग्रामों में अवसंरचना का विस्तार ग्रामीण जीवन को और अधिक सुलभ और प्रगतिशील बनाएगा।ह्व

विविध योजनाओं के हितग्राहियों को मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभ वितरित करेंगे। इससे कई परिवारों और स्व-रोजगार से जुड़े लोगों को प्रत्यक्ष सहायता मिलेगी। जिन योजनाओं के लाभ प्रदान किए जाएंगे, उनमें प्रमुख हैं, सीसीएल ऋण वितरण, मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना, मध्यकालीन पांच वर्षीय योजना अंतर्गत ऋण, मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना, मैत्री योजना, आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, कस्टम हायरिंग योजना, कृषि अद्योसंरचना ऋण, लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, स्वामित्व योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम योजना इन सभी योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीणों को आर्थिक संबल, सुरक्षा, स्वरोजगार और कृषि संबंधी संसाधनों तक आसान पहुंच प्रदान करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महान वैज्ञानिक सर सी वी रमन की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल : भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर विश्व पटल पर भारतवर्ष को गौरवान्वित करने वाले, नोबेल पुरस्कार विजेता एवं भारत रत्न से सम्मानित महान वैज्ञानिक 'चंद्रशेखर वेंकट रमन' की आज शुक्रवार को पुण्यतिथि है। महान वैज्ञानिक सर सी.वी. रमन की पुण्यतिथि पर देश उन्हें याद कर श्रद्धांजलि दे रहा है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भी इस अवसर पर उन्हें स्मरण कर विनम्र श्रद्धासुमन अर्पित किये हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा नोबेल पुरस्?कार से सम्?मानित, महान वैज्ञानिक सर सी वी रमन जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। समुद्र के पानी और आकाश के नीले रंग की व्याख्या करने में महत्वपूर्ण 'रमन प्रभाव' की खोज सहित उन्होंने विभिन्न अनुसंधान से विज्ञान जगत में भारत को गौरवान्वित किया।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस वैन पर बम से हमला, दो की मौत, चार घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में गुरुवार को एक पुलिस वैन पर बम से हमला किया गया। इस हमले में दो पुलिसवाले मारे गए और चार घायल हो गए। जिला पुलिस प्रमुख सज्जाद अहमद साहिबजादा ने घटना की पुष्टि की। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, जिला पुलिस प्रमुख सज्जाद अहमद साहिबजादा ने कहा कि यह पुलिस वैन तकवारा चेक पोस्ट की है। इस वैन पर सवार पुलिस वाले हथला-गिलोटी रोड पर पेट्रोलिंग कर रहे थे। तभी अचानक उसमें बम फट गया। इस हमले में ड्राइवर रमजान और कांस्टेबल सैफुर रहमान की जान चली गई।

हवलदार शाहिद, कांस्टेबल महबूब आलम, आसिफ और किफायत घायल हो गए। यह घटना डेरा इस्माइल खान की दरबान तहसील में हुए बम हमले के ठीक एक हफ्ते बाद हुई है। दरबान तहसील में सुरक्षा बलों की गाड़ी पर किए गए बम विस्फोट से कम से कम 14 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। डेरा इस्माइल खान में इस हफ्ते एक आतंकी मारा गया। सप्ताहांत में जिले के कुलाची इलाके में 10 लड़ाके मारे गए। 15 नवंबर से 19 नवंबर तक चले आतंक विरोध अभियान में प्रांत में 45 लड़ाकों की जान चली गई।

ठाणे मनपा विद्यालयों में थिंक बिग स्पेसेज डिजिटल एजुकेशन शुरू

एजेंसी

मुंबई : अमेजॉन ने ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एजुकेशन डिपार्टमेंट और पे जेम फाउंडेशन के साथ मिलकर अमेजॉन थिंक बिग स्पेशस इनिशिएटिव लॉन्च किया है। इस इनिशिएटिव का मकसद ठाणे के सरकारी स्कूलों में एक सस्टेनेबल, इनक्लूसिव डिजिटल एजुकेशन सिस्टम देना है। इस इनिशिएटिव का पहला सेंटर ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन स्कूल नंबर 65, येउर में लॉन्च किया गया। इस इवेंट में ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डिप्टी कमिश्नर मिस्टर सचिन सांगले, अेंंड्ढल्ल ही री१५ी२ (अहर) के डायरेक्टर झ्र अढअउ ऊळढऊकैमरन इवांस, और ढं८ खें त्रह्व४ल्ला-३ह्णल्ल के फाउंडर और उएड मिस्टर शोएब डार के साथ-साथ स्कूल के प्रिंसिपल, टीचर और

स्टूडेंट्स मौजूद थे। टीचरों के नेतृत्व वाले का फोकस स्टूडेंट्स के लिए हैंड्स-ऑन, कंप्यूटर-बेस्ड लर्निंग पर है। ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के नौ स्कूलों के 900 से ज्यादा स्टूडेंट्स को इससे फायदा होगा और करिकुलम में स्टूडेंट्स में लोकल स्किल्स को बढ़ाने के लिए कम्प्यूटेशनल थिंकिंग और डिजाइन थिंकिंग शामिल होगी, जिससे स्टूडेंट्स की कल्पना को स्कोप मिलेगा, जिससे वे लोकल प्रॉब्लम्स को पहचान पाएंगे और टेक्नोलॉजी-बेस्ड सॉल्यूशन निकाल पाएंगे। इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ, इस पहल में टीचरों के स्किल डेवलपमेंट को भी महत्व दिया गया है। क्ळळ और दूसरे सब्जेक्ट्स के 250 टीचरों को कंप्यूटर साइंस और कोडिंग में पूरी ट्रेनिंग दी जाएगी। इसका मकसद इसके जरिए कुल 7,500 स्टूडेंट्स तक पहुंचना है।

नेशनल वन हेल्थ मिशन सरकार और समाज के संयुक्त सहयोग का एक अनूठा उदाहरण: नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और वन हेल्थ पर कार्यकारी संचालन समिति के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि नेशनल वन हेल्थ मिशन संपूर्ण सरकार और संपूर्ण समाज के सहयोग का एक अनूठा उदाहरण है। भारत मंडपम के कन्वेंशन हॉल में एक वीडियो संदेश के जरिए नेशनल वन हेल्थ मिशन असेंबली-2025 में नड्डा ने गुरुवार को कहा कि 'वन अर्थ, वन हेल्थ, वन फ्यूचर' सिर्फ.एक थीम नहीं है- यह स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने और भविष्य की महामारियों के खिलाफ तैयारी बढ़ाने के लिए हमारे दृष्टिकोण की नींव है। पिछले एक दशक में भारत फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि भारत ने 100 से ज्यादा देशों के लिए टीके विकसित किए और उनकी आपूर्ति की है, जो एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में हमारी भूमिका की पुनः पुष्टि करता है।

इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वीके पॉल, केंद्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. अजय के. सूद और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव एवं भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल भी उपस्थित थे। इस दो दिवसीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि मिशन ने प्रमुख गतिविधियों को लागू करना शुरू कर दिया है, जिसमें एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध और संक्रामक रोगजनकों की निगरानी के लिए बूचड़खानों, पक्षी अभयारण्यों, चिड़ियाघरों और प्रमुख शहरों में अपशिष्ट जल प्रणालियों में एकीकृत निगरानी शामिल है। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रकोप जांच और चिकित्सा काउंटरमेजर्स का विकास चल रहा है, जो हमारे महामारी से लड़ने की तैयारी संबंधी आर्किटेक्चर को मजबूत कर रहा है। वे खतरों का शीघ्र पता लगाने और त्वरित प्रतिक्रिया देने की हमारी क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएंगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को 30 नवंबर तक मिल सकता है एयरोड्रम लाइसेंस, अपर मुख्य सचिव ने की बैठक

एजेंसी

नोएडा : नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ ही दिसंबर में कॉमर्शियल फ्लाइट शुरू करने के लिए कवायद तेज हो गई है। यूपी सरकार में अपर मुख्य सचिव (नागरिक उड्डयन) दीपक कुमार की मौजूदगी में गुरुवार को उच्चस्तरीय बैठक में 30 नवंबर तक एयरोड्रम लाइसेंस हासिल करने की बात हुई है। इसके लिए 24 नवंबर को ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सेफ्टी (बकास) संपूर्ण सेवाओं के लिए सुरक्षा जांच नोएडा एयरपोर्ट पर करेगा। कार्गो सेवा के लिए बकास पहले ही सर्टिफिकेट नोएडा एयरपोर्ट को दे चुका है। गुरुवार को नोएडा एयरपोर्ट पर हुई उच्चस्तरीय बैठक में यमुना प्राधिकरण के अलावा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड-नायल, महानिदेशक नागरिक उड्डयन- डीजीसीए, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) और बकास के

अधिकारी भी शामिल हुए। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि बैठक का उद्देश्य एयरपोर्ट के कॉमर्शियल ऑपरेशन के लिए तैयार होने के लिए जरूरी सभी बिंदुओं पर विमर्श करना था। इस दौरान कुछ मुद्दे उठे जिनका निस्तारण कर दिया गया है। डीजीसीए दो दिन से अपना ट्रायल कर ही रहा है। सुरक्षा से जुड़े जो नए उपकरण आए हैं, उनकी भी टेस्टिंग डीजीसीए और बकास की टीमें कर रही हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव ने स्पष्ट कहा है कि एयरोड्रम लाइसेंस के लिए जो भी औपचारिकताएं हैं। उन्हें प्राथमिकता पर पूरा कर लिया जाए। बैठक में यह तय किया गया कि बकास अपना ट्रायल 24 नवंबर को पूरा करेगा। यह ट्रायल सफल रहा तो डीजीसीए एक सप्ताह के अंदर एयरोड्रम लाइसेंस जारी कर देगा। एयरोड्रम लाइसेंस जारी होते ही एयरलाइंस अपनी टिकट बुकिंग शुरू कर पाएंगी। वहीं, प्रधानमंत्री कार्यालय को भी उद्घाटन की तारीख तय करने के लिए संपर्क किया जाएगा। बैठक के दौरान इंडिगो और अकासा एयर के अधिकारी भी मौजूद रहे। उनको भी अपनी तैयारियां तेज करने और उड़ानों को शुरू करने के लिए कहा गया है। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने एयरपोर्ट पर अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने उद्घाटन की तैयारियां देखीं। इस दौरान वह डोमेटिस्क और इंटरनेशनल दोनों ही लाउंज पर गए। कार्गो सेवा के लिए भी बन रहे हब के बारे में उन्होंने जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि ऑपरेशन की तैयारियों को चेक करने के लिए लगातार मॉक ट्रायल किए जा रहे हैं। इसमें यात्रियों के रूप में कर्मचारी और उनके परिवार के लोगों को सामान के साथ यहां बुलाया जाता है। इससे बोर्डिंग, डी-बोर्डिंग जैसी प्रक्रिया की उचित तरीके से जांच हो पाती है। उन्हें बताया गया कि रनवे का उपयोग, सुरक्षा क्षेत्रों का अनुपालन, टैक्सीवे, एप्रन, पर्याप्त लाइटिंग, नेविगेशन सिस्टम, मौसम व उड़ान से जुड़ा डेटा का सर्वर के साथ लिंक जैसी तैयारियां पूरी हो गई हैं। सुरक्षा से जुड़े उपकरण भी यहां लग गए हैं। सीआईएसएफ एयरपोर्ट की सुरक्षा को संभाल चुकी है। डीजीसीए ने 31 अक्तूबर और चार नवंबर को फ्लाइट कैलिब्रेशन टेस्ट किया था।

मध्य प्रदेश में सर्दी का सितम, 15 दिन से ठिठुरन जारी, 12 शहर 10 डिग्री से नीचें

एजेंसी

भोपाल : पहाड़ी राज्यों में लगातार हो रही बर्फबारी का असर अब मध्य प्रदेश पर गहराई से देखने को मिल रहा है। पिछले पंद्रह दिनों से प्रदेश कड़ाके की ठंड की चपेट में है। बीते 24 घंटे में भोपाल, इंदौर समेत 12 प्रमुख शहरों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। प्रदेश का सबसे कम तापमान राजगढ़ में 7.5 डिग्री रिकॉर्ड हुआ जबकि जबलपुर के भेड़ाघाट में घना कोहरा पसरा रहा। शुक्रवार को भी मौसम का यही तेवर जारी रहने की संभावना है। हवाओं का रुख बदलने से तापमान में मामूली उछाल जरूर आया है लेकिन मौसम वैज्ञानिक इसे अस्थायी

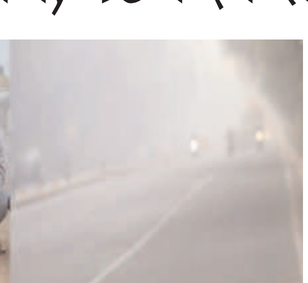

राहत मान रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 22 नवंबर से दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया सक्रिय होगा, जो 24 नवंबर तक अवदाब में बदल सकता है। इससे हवा की दिशा बदलकर नमी बढ़ेगी, और कई शहरों में सुबह कोहरा गहरा सकता है। हालांकि, जैसे ही यह सिस्टम आगे बढ़ेगा, ठंड का दूसरा चरण और अधिक तीव्रता के साथ लौट सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले तीन-चार दिन तक धुंध की स्थिति बनी रहेगी। इसके बाद तापमान में गिरावट तेज होगी और दिसंबर की शुरूआत में न्यूनतम तापमान कई शहरों में 5-6 डिग्री तक जा सकता है। मौसम वैज्ञानिकों ने नागरिकों को ठंड से बचाव के लिए सतर्क रहने की सलाह दी है।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार को भोपाल, इंदौर, राजगढ़, शाजापुर, नरसिंहपुर और शिवपुरी में शीतलहर चली जबकि खंडवा व खरगोन में तीव्र शीतलहर का असर देखने को मिला। दिन में उज्जैन का अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री रहा, लेकिन रात की ठिठुरन ने लोगों को गर्म कपड़ों की ओर लौटने पर मजबूर कर दिया। राजधानी भोपाल में पिछले दस दिनों से लगातार कोल्ड वेव का असर बना हुआ है और मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए भी शीतलहर का अलर्ट जारी किया है।

प्रदेश में नवंबर की रिकॉर्डतोड़ सर्दी

इस वर्ष नवंबर की ठंड ने कई पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, भोपाल में नवंबर की ठंड ने 84 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इंदौर में भी पिछले 25 वर्षों का सबसे ठंडा नवंबर दर्ज किया जा रहा है। मालवाझ्निमाड़ क्षेत्र सामान्य से अधिक ठंड झेल रहा है। मौसम विभाग ने पूरे महीने में ठंड का दौर रुक-रुककर जारी रहने की संभावना जताई है। राज्?य के हिल स्टेशन पचमढ़ी इस बार भी ठंड के मामले में शीर्ष पर है। यहाँ 7.6 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ, जो प्रदेश में राजगढ़ के बाद दूसरा सबसे कम रहा। शाजापुर में पारा 7.8 डिग्री, शिवपुरी में 8 डिग्री, नौगांव (छतरपुर) में 8.3 डिग्री, खंडवा 8.4 डिग्री, नरसिंहपुर 8.8 डिग्री, उमरिया व खरगोन 9 डिग्री और रायसेन में पारा 9.6 डिग्री दर्ज किया गया। बात यदि बड़े शहरों की करें तो राजधानी भोपाल में 9.2 डिग्री, इंदौर आठ डिग्री, ग्वालियर 11.9 डिग्री, उज्जैन 10.5 डिग्री और जबलपुर 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हवाओं का रुख बदला, राहत सीमित

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जो मामूली गर्माहट महसूस हो रही है, वह लंबे समय तक टिकने वाली नहीं है। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी पी.के. रायकवार का कहना है, ह्लहवाओं का रुख पूर्वी होने से तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी हुई है, लेकिन यह राहत अस्थायी है।

न्यूज IN ब्रीफ

संघ के वरिष्ठ प्रचारक डॉ. मनमोहन वैद्य की पुस्तक 'हम और यह विश्व' का विमोचन आज

भोपाल : सुरुचि प्रकाशन द्वारा ह्लहम और यह विश्वह्व पुस्तक का लोकार्पण आज 21 नवम्बर, शुक्रवार को भोपाल के रविन्द्र भवन में होगा। यह पुस्तक सामाजिक, राष्ट्रीय और आर्थिक विषयों पर भारतीय दृष्टिकोण को सरल और स्पष्ट रूप में प्रस्तुत करती है। लेखक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य ने इसमें आधुनिक चुनौतियों के बीच भारत की वैचारिक और सांस्कृतिक समझ को आधार बनाकर व्यापक विमर्श रखा है। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं साढ़े चार बजे से होगा। पुस्?तक लोकार्पण में सबसे पहले पूज्य संत श्रीरीतेश्वर महाराज (पीठाधीश्वर, श्री आनन्दम धाम आश्रम, वृंदावन-मथुरा) आशीर्वचन प्रदान करेंगे। मुख्य वक्ता के रूप में देश के पूर्व उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्?ठ पत्रकार विष्णु त्रिपाठी (समूह संपादक, दैनिक जागरण) कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसके साथ ही सुरुचि प्रकाशन के अध्यक्ष राजीव तुली और प्रबंध न्यासी रजनीश जिंदल भी मौजूद होंगे। उल्लेखनीय है कि यह पुस्तक भारतीय समाज के व्यापक विमर्श को आम पाठकों तक पहुँचाने का प्रयास है। उनका मानना है कि आज के परिदृश्य में मूल्यों, नीति-विचार और राष्ट्रीय चेतना से जुड़े विषयों पर गंभीर साहित्य की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। यह पुस्तक उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान है। लोकार्पण कार्यक्रम में बुद्धिजीवियों, लेखकों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकताओं और पुस्तक प्रेमियों की उपस्थिति की कामना की गई है। सुरुचि प्रकाशन ने इन सभी से उक?त आयोजन में सम्मिलित होने का आग्रह किया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लोअर दीर में 4.7 तीव्रता का भूकंप

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लोअर दीर में आज सुबह भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.7 आंकी गई है। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप झटका महसूस होते ही लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप के कारण लोअर दीर ??के किसी भी हिस्से से जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। इस्लामाबाद के नेशनल सिस्मिक मॉनिटरिंग सेंटर के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में हिंदुकुश रेंज में 93 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। अगर रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप दर्ज होता है तो आसपास के 40 किलोमीटर के दायरे में झटका तेज होता है। यह इस पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होता।

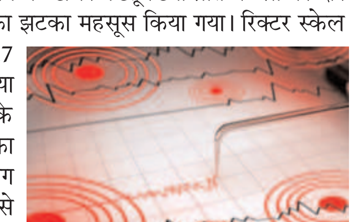

मप्र पर्यटन को मिली नई उड़ान, गाजे-बाजे के साथ शुरू हुई पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा

भोपाल : मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अनूठी पहल पर हवाई पर्यटन के क्षेत्र में एक गौरवशाली अध्याय आरंभ किया है। प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी को सुदृढ़ कर पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा ह्लपीएमश्री हेली पर्यटन सेवाह्व का संचालन गुरुवार से विधिवत शुरू हो गया है। परंपरागत गाजे-बाजे, उत्साह, रंगों और स्थानीय जनता के गर्मजोशी भरे स्वागत के साथ यह सेवा शुरू हुई, जिसने पूरे प्रदेश में एक उत्सव जैसा माहौल बना दिया। यह सेवा अब नियमित रूप से संचालित होकर मध्य प्रदेश के पर्यटन को एक नई दिशा और तीव्र गति प्रदान करेगी। पहली उड़ानः एक ऐतिहासिक पलपहले दिन गुरुवार को तीन सेक्टरों में शेड्यूल के अनुसार हेलीकाप्टर ने भोपाल से मढ़ई और मढ़ई से पचमढ़ी के लिए उड़ान भरी। इंदौर से उज्जैन एवं ओंकारेश्वर और जबलपुर से कान्हा तथा बांधवगढ़ के बीच हेली सेवा संचालित हुई, जिसका जनप्रतिनिधियों और महंतों ने आनंद लिया। इसके साथ ही मध्य प्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जहां ह्लपीएमश्री हेली पर्यटन सेवाह्व की शुरूआत हुई है। पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि यह सेवा आध्यात्मिक, प्राकृतिक और वन्यजीव पर्यटन को एक तेज, सुगम और किफायती हवाई मार्ग प्रदान करेगी। यह नया हेली नेटवर्क न केवल यात्रियों का बहुमूल्य समय बचाएगा, बल्कि प्रदेश में रोजगार और निवेश को भी बढ़ावा देगा।

यातायात माह के तहत जनपद में चला जागरूकता अभियान, 356 चालान की कार्रवाई

औरैया : जनपद में यातायात माह के अंतर्गत जिले में सड़क सुरक्षा और नियमों के पालन को लेकर व्यापक अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक मिश्र तथा क्षेत्राधिकारी यातायात पुनीत मिश्र के पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात देवेन्द्र कुमार और यातायात पुलिस बल ने पूरे जनपद में जागरूकता एवं प्रवर्तन की विशेष कार्यवाही की। अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने ऑटो, ई-रिक्शा, मैजिक एवं अन्य सवारी वाहन चालकों को बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। पुलिस टीम द्वारा पम्पलेट वितरित कर चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग, हेलमेट व सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग तथा नशे में वाहन न चलाने की शपथ दिलाई। जनपद के 12 प्रमुख चौराहों पर लगभग 980 लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही शासन की राह-वीर योजना और इसमें मिलने वाली ?25,000 की प्रोत्साहन राशि की जानकारी भी लोगों को दी गई। अभियान के दौरान दोपहिया वाहन बिना हेलमेट (चालक व पीछे बैठे सवार सहित), तीन सवारी, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाना, गलत दिशा में वाहन संचालन, बिना सीट बेल्ट, प्रेशर हॉर्न, हूटरझ्सायरन आदि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने एमवी एक्ट की विभिन्न धाराओं में कुल 356 चालान किए, जिनसे ?3,77,600 का सम्मन शुल्क वसूल किया जाएगा।

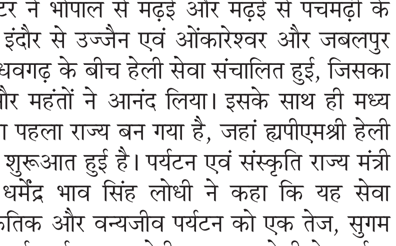

न्यूज IN ब्रीफ

वीमेंस यूनिवर्सिटी की छात्रा जया आस्था महामहिम के द्वारा हुई सम्मानित

महामहिम राज्यपाल ने गोल्ड मेडल पहनाकर राजनीतिक विज्ञान में अव्वल रहने वाली जया आस्था को किया सम्मानित। जया आस्था के पिता प्रोफेसर विकास कुमार मिश्रा जगन्नाथपुर डिग्री कॉलेज के प्राचार्य हैं।

संवाददाता : वीमेंस यूनिवर्सिटी जमशेदपुर की राजनितिक विज्ञान 2023-2025 सत्र से स्नातकोत्तर में अव्वल आकर अपने माता पिता एवं परिजनों के साथ साथ चक्रधरपुर तथा पश्चिम सिंहभूम का नाम गौरवान्वित करने वाली छात्रा जया आस्था को उनके मेधावी पन और राजनीतिक विज्ञान में अव्वल आने पर महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार के द्वारा गोल्ड मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस गौरव पूर्ण क्षण पर माता अनीता मिश्रा पिता विकास कुमार मिश्रा काफी हर्षित हैं। विदित हो कि जया आस्था बचपन से पढ़ने में काफी मेधावी और अव्वल रहीं हैं तथा सबसे बड़ी उपलब्धि की बात यह रही है कि इनके बड़े भाई हर्ष कुमार मिश्रा भी वर्ष 2012 में कोल्हान युनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में तत्कालीन राज्यपाल डॉ। सैयद अहमद से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री जयराम रमेश की उपस्थिति में गोल्ड मेडल पहनकर सम्मानित हुए थे। झारखंड में संभवतः यह पहला अवसर है जब भाई बहन दोनों महामहिम राज्यपाल से गोल्ड मेडल पहनकर सम्मानित हुए हैं।

जिले में 21 से 28 नवंबर तक मनाया जाएगा सेवा का अधिकार सप्ताह, पंचायतों में लगेगा विशेष शिविर

सिमडेगाः राज्य सरकार द्वारा विगत वर्ष आयोजित ह्लआपकी योजनाझ्रआपकी सरकारझ्रआपके द्वारह्व कार्यक्रम को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ था। पंचायत स्तर पर लगाए गए शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों के आवेदन लेकर विभिन्न योजनाओं का त्वरित लाभ स्थल पर ही उपलब्ध कराया गया, जिसकी राज्यभर एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा हुई।

इस सफलता को देखते हुए, वर्ष 2025 में कार्यक्रम को प्रक्षेत्रवार (रीू३ङ्ग१-ढ्ढरी) आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। 20 नवंबर 2025 को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुए उच्चस्तरीय बैठक में यह फैसला लिया गया। इसके तहत 21 से 28 नवंबर 2025 तक पूरे राज्य में ह्लसेवा का अधिकार सप्ताहह्व मनाया जाएगा। इस अवधि में झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 के अंतर्गत मिलने वाली सेवाओं को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी।

पंचायत स्तर पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे, जहाँ ग्रामीणों को समयबद्ध तरीके से प्रमाण-पत्र, राशन कार्ड, दाखिल-खारिज, भूमि मापी, भूमि धारण प्रमाण पत्र एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन से जुड़े आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। साथ ही सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी देने के लिए अतिरिक्त व्यवस्था की जाएगी। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि जिले की प्रत्येक पंचायत में कम-से-कम एक शिविर अवश्य आयोजित हो, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान का लाभ उठा सकें।

मंदिर के पास शराब दुकान का लाइसेंस नहीं दे सरकारः आजसू

जमशेदपुर : मंदिरों के आसपास शराब दुकान का लाइसेंस नहीं देना चाहिए। वहीं, मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाए। आजसू नेता अप्पू तिवारी ने ट्वीट के माध्यम मुख्यमंत्री, झारखंड पुलिस प्रमुख से यह मांग की है। आजसू नेता के अनुसार, सनातन धर्म के रक्षार्थ राज्य के सभी राजनीतिक दलों को प्रयास करना चाहिए कि, मंदिर के आसपास नशे में उत्पात नहीं हो। इससे श्रद्धालुओ व दर्शनार्थियों को दिक्कत नहीं होगी।

एनएच पर जेसीबी से खोदाई में मेन पाइप लाइन क्षतिग्रस्त, 5 हजार घरों में जलापूर्ति ठप

जमशेदपुर : मानगो में एनएच पर एक बार फिर पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गया जिससे आसपास के बड़े क्षेत्र में जलापूर्ति ठप हो गई है। एनएच-33 पर सहारा सिटी के सामने एनएचएआई के द्वारा नाला निर्माण के लिए खोदाई करते समय जेसीवी ने मानगो जलापूर्ति योजना के मेन पाइप लाइन को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके कारण एनएच किनारे की बस्तियों और अपार्टमेंटों में जलापूर्ति ठप हो गई है। पानी के लिये हाहाकार मचा हुआ है। करीब पांच हजार घरों में जलापूर्ति बंद है। प्रभावित क्षेत्रों में कुमरूम बस्ती, समता नगर, मंगल कॉलोनी, झारखंड बस्ती, परमेश्वर कॉलोनी, इंदिरा कॉलोनी, चंद्रावती नगर और पारडीह का कुछ इलाका शामिल है। यहां जोन नंबर-1 की टंकी है, जिसकी क्षमता 25 लाख लीटर है। सूचना मिलने पर तुरंत मौके पर पहुंचे विधायक सरयू राय जी के जनसुबिधा प्रतिनिधि संतोष भगत ने तत्काल उन्हें स्थिति से अवगत कराया। सरयू राय ने निर्देश दिया कि जल्द से जल्द पाइप लाइन की मरम्मत कर जलापूर्ति पहले की तरह सुचारू कराई जाए। मौके पर उपस्थित मानगो नगर निगम की सहायक अभियंता अमित आनंद और पेयजल स्वच्छता विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

गिरिडीह में 22 हाथियों के झुंड का विचरण, फसलों को नुकसान

गिरिडीहः हाथियों का झुंड गिरिडीह में डेरा डाले हुए हैं. झुंड में शामिल हाथी कभी शहरी इलाके में पहुंच रहे हैं तो कभी जिले के दूसरे इलाके में. गुरुवार को हाथियों का झुंड, देवरी के मदनाडीह पहुंचा. यहां फसलों को नुकसान हुआ है. हाथी यहां पास के जंगल में डेरा डाले हुए है. ऐसे में लोग भयभीत हैं. दूसरी तरफ वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई है और लोगों को सावधान रहने के साथ साथ हाथियों से दूरी बनाने की अपील कर रही है. वन विभाग की टीम, हाथियों को सुरक्षित निकालने की कोशिश कर रही है. इससे पहले मंगलवार रात को भी 22 हाथियों का झुंड गिरिडीह शहर से सटे तेलोडीह पहुंचा था. यहां काफी तोड़फोड़ की थी. हाथियों का झुंड अनाज को चट कर गया था. उस दौरान भगदड़ की स्थिति रही थी. हाथी यहां हाइवे पर दौड़ते दिखे थे. इस घटना के बाद हाथी देवरी पहुंच गए. बताया गया है कि हाथियों के साथ एक बच्चा भी है. बच्चे की सुरक्षा को लेकर हाथी ज्यादा सतर्क दिख रहे हैं.

बता दें कि हर साल हाथियों का झुंड अक्टूबर- नवंबर के बाच पहुंचता है. चूंकि यह मौसम धान की फसल के पकने का होता है, ऐसे में हाथी इस फसल को भी नुकसान पहुंचाते हैं.

नेतरहाट में पर्यटक उठा सकेंगे अब जंगल सफारी का लुत्फ, पर्यटन मंत्री ने किया शुभारंभ

संवाददाता

लातेहार : पहाड़ों की रानी के रूप में विख्यात लातेहार जिला के नेतरहाट को अब पर्यटन की दृष्टिकोण से और अधिक समृद्ध बनाया जा रहा है। गुरुवार को राज्य के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार और स्थानीय विधायक रामचंद्र सिंह ने नेतरहाट में जंगल सफारी का शुभारंभ किया। इसका संचालन पलामू टाइगर रिजर्व और पर्यटन विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। उद्घाटन के बाद मंत्री और विधायक के साथ-साथ वन विभाग के अधिकारियों ने जंगल सफारी का लुत्फ भी उठाया।

दरअसल, नेतरहाट झारखंड राज्य का सबसे विख्यात पर्यटन स्थल है। समुद्र तल से लगभग 3700 फीट की ऊंचाई पर बसा नेतरहाट अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के कारण झारखंड के अलावा पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार समेत अन्य आसपास के राज्यों में भी विख्यात है। यहां प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक घूमने आते हैं।

झारखंड सरकार के द्वारा नेतरहाट में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार योजनाएं भी बनाई जा रही है और उसे धरातल पर भी उतर जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को नेतरहाट में जंगल सफारी

की शुरूआत की गई। फॉरेस्ट डिपार्मेंट और पर्यटन विभाग के संयुक्त मॉनिटरिंग में पहले चरण में तीन खुली गाड़ियों को लाई गई है।

राज्य के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार और स्थानीय विधायक रामचंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से जंगल सफारी का शुभारंभ किया। पर्यटन मंत्री ने कहा कि नेतरहाट को पर्यटन का हब बनाने के लिए झारखंड सरकार पूरी तरह संकल्पित है। नेतरहाट में पर्यटन विकास को लेकर कई प्रकार की योजनाएं पहले से भी चलाई जा रही है। जंगल सफारी की शुरूआत से पर्यटकों को काफी लाभ होगा।

जंगल सफारी से होगी 40 किलोमीटर की यात्रा

इस संबंध में स्थानीय विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि उनका यह प्रयास है कि उनके क्षेत्र का नेतरहाट पर्यटन के दृष्टिकोण से पूरे देश में जाना जाए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जंगल सफारी की शुरूआत की गई है। पर्यटक जंगल सफारी के मदद से लगभग 40 किलोमीटर की यात्रा कर पाएंगे। इस दौरान पर्यटक नेतरहाट के उन स्थानों पर भी पहुंचेंगे, जहां सामान्य तौर पर पर्यटक पहुंचे नहीं पाते थे। अपर घघरी, लोअर घघरी के अलावा कई अन्य ऐसे स्थान हैं जहां जंगल सफारी के मदद से पर्यटक पहुंचेंगे और नेतरहाट की खूबसूरती का पूरा लुत्फ उठाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि क्योंकि जंगल सफारी पूरी तरह ओपन गाड़ी है, इस कारण पर्यटक यहां के प्राकृतिक नजारों का भी दीदार कर पाएंगे। कुल मिलाकर जंगल सफारी की 3 घंटे की यात्रा के दौरान पर्यटक नेतरहाट को बारीकी से जान भी पाएंगे।

नेतरहाट में कई हैं घूमने के स्थान

पहाड़ों की रानी के रूप में प्रचलित नेतरहाट में घूमने के कई स्थान है। नवंबर से लेकर फरवरी तक यहां पर्यटकों की भारी भीड़ लगती है। 15 दिसंबर से लेकर जनवरी के दूसरे सप्ताह यहां पर्यटकों की इतनी भीड़ होती है कि एक माह पहले से ही सभी होटल और रेस्ट हाउस बुक हो जाते हैं नेतरहाट का सूर्योदय और सूर्यास्त प्रसिद्ध है। सनसेट प्वाइंट, कोयल व्यू, नाशपाती बागान, नेतरहाट आवासीय विद्यालय, पूरी तरह लकड़ी से बना दो तल्ला भवन शैले हाउस, नेतरहाट डैम समेत कई अन्य ऐसे स्थल है जहां पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है।

बिरसा मुंडा जनजातियों के अधिकारों और सांस्कृतिक पहचान के लिए किया संघर्ष : विमला प्रधान

संवाददाता

सिमडेगा : भगवान बिरसा मुंडा के 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है इसी निमित्त ठेठईटांगर प्रखंड के बाघचट्टा में वनवासी कल्याण आश्रम के द्वारा 50 वृद्धो के बीच कंबल का वितरण किया गया।

इससे पूर्व भारत माता एवं भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित की गई मौके पर गोंड महासभा के प्रदेशाध्यक्ष सह पूर्व मंत्री विमला प्रधान ने लोगों के बीच भगवान बिरसा मुंडा की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी समाज सुधारक और आध्यात्मिक नेता थे जिन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ उलगुलान का नेतृत्व किया उन्हें धरती आबा के नाम से जाना जाता है उन्होंने आदिवासी जनजाति के अधिकारों और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए संघर्ष किया साथ ही ब्रिटिश राज के खिलाफ और आदिवासी शोषण के विरोध में शक्तिशाली आंदोलन उलगुलान का नेतृत्व किया अंग्रेजों द्वारा लागू की गई जमींदारी प्रथा धर्मांतरण और आदिवासियों के पारंपरिक जीवन पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ संघर्ष किया उन्होंने आदिवासियों को जल्द जंगल जमीन की रक्षा के लिए एकजुट किया उन्होंने ईसाई मिशनरियों के धर्मांतरण के खिलाफ भी लगातार आंदोलन करते रहे। केंद्र सरकार भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है यह सम्मान की बात है।

मौके पर बनवासी कल्याण आश्रम की संतोष दास बसंत नारायण माझी सहित बड़ी संख्या में जनजातीय समुदाय के लोग उपस्थित थे।

गिरिडीह में अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़

भारी मात्रा में हथियार समेत 6 लोग गिरफ्तार

गिरिडीहः जिले के गांडेय थाना क्षेत्र में संचालित अवैध मिनी गन फैक्ट्री का पुलिस ने खुलासा किया है। मौके से पुलिस ने 6 धंधेबाजों को गिरफ्तार किया है। साथ ही भारी मात्रा में हथियार बरामद किया है। बड़ी बात यह है कि तीन दिन पूर्व ही फैक्ट्री का संचालन शुरू हुआ था। गिरिडीह एसपी डॉ। विमल कुमार को मिली गुप्त सूचना पर गठित पुलिस टीम ने छापेमारी कर अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। गिरोह का तार बिहार से भी जुड़ा हुआ बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार बड़े पैमाने पर हथियार बनाने की योजना थी। लेकिन समय रहते पुलिस ने अपराधियों के मंसूबे पर पानी फेर दिया है। गिरिडीह में गुरुवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी डॉ। विमल कुमार ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि जिले के गांडेय थाना क्षेत्र अंतर्गत महेशमरवा गांव में अवैध मिनी गन फैक्ट्री का संचालन हो रहा था। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस टीम का गठन कर उद्भेदन किया गया।

एसपी डॉ विमल कुमार ने बताया कि मौके से 6 देसी पिस्टल, 11 मैगजीन, 7।65 एमएम की 5 जिंदा कारतूस, 12 अर्धनिर्मित पिस्टल, 13 पिस्टल का बैरल, पिस्टल का 12 पीस स्लाइड, 6 बेस मिलिंग मशीन, मैगजीन बनाने के दो डाइस सहित अन्य सामग्रियां बरामद की गई हैं। एसपी ने बताया कि मामले में देवघर जिला के मागोमुंडा क्षेत्र के शायर अली, फुरकान अंसारी, मो चुन्ना उर्फ वसीम, मो समीर मल्लिक, मो मंगली एवं बिहार के मुंगेर जिला के मो कमरूद्दीन उर्फ सदना को गिरफ्तार किया गया है। वहीं मागोमुंडा के उस्मान अंसारी की पुलिस को तलाश है। एसपी ने बताया कि शायर अली के मकान के निचले हिस्से में फैक्ट्री का संचालन हो रहा था।

बस्ताकोला के रैयतों ने मुआवजा के लिए की नारेबाजी

संवाददाता

झरिया : बस्ताकोला सोनार बस्ती के रैयतों ने गुरुवार को बस्ताकोला प्रबंधन व आउटसोर्सिंग प्रबंधन के खिलाफ गुरुवार को जमकर नारेबाजी की। आरोप लगाया कि रैयतों की जमीन पर अवैध तरीके से खनन कार्य किया जा रहा है। आक्रोशित रैयतों ने जमीन पर कार्य कर रही मशीनों को वापस लौटा दिया। नेतृत्व कर रहे रैयत पंचम प्रसाद वर्मा व राजेश वर्मा ने कहा कि बस्ताकोला सोनार बस्ती के 15 रैयतों की यहां 35।69 एकड़ जमीन है। बीसीसीएल ने बस्ताकोला आउटसोर्सिंग के विस्तारीकरण के लिए 12।81 एकड़ जमीन अधिग्रहण किया। इसका मुआवजा मिला है। बाकी 23.509 एकड़ जमीन पर बिना मुआवजा दिए ही खनन कार्य करना चाह रहा है।

अबतक 10 एकड़ जमीन पर आउटसोर्सिंग ने खनन कार्य शुरू कर दिया है। रैयत चुप नहीं बैठेंगे। धनबाद के उपायुक्त, एसएसपी व सीएमडी को पत्र सौंपा गया है। अगर खनन कार्य नहीं रोका गया, तो अनिश्चितकाल के लिए पूरे परिवार साथ धरना पर बैठेंगे। इस दौरान रैयत हरिदास सोनार, देवदास स्वर्णकार, गोपाल प्रसाद वर्मा, बिनोद वर्मा, दिनेश वर्मा, सुरेश वर्मा, राजेश वर्मा, शिबू रजवार, लक्ष्मी रजवार, मोहन रजवार, सुरेश रजवार, मनोज वर्मा, संतोष प्रसाद स्वर्णकार, प्रकाश रजवार आदि मौजूद थे।

देवघर में कुष्ठ रोग के मामले बढ़े, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

संवाददाता

देवघर : कुष्ठ एक ऐसा शब्द है जिसे सुनते ही रूह कांप उठती है। हालांकि यह बीमारी पूरी तरह इलाज योग्य हो, लेकिन देर होने पर कुष्ठ रोगी स्थायी रूप से दिव्यांग भी हो सकता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि देवघर जिला अब इस बीमारी का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है।

आठ माह में 175 कुष्ठ रोगी मिले

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त ताजा आंकड़ों के मुताबिक साल 2025 के पिछले आठ महीनों में ही देवघर में 175 नए कुष्ठ रोगियों की पहचान हुई है। जबकि ये कुछ प्रखंडों से ही मिले रोगियों के आंकड़े हैं। यह अंदेशा जताया जा रहा है कि पूरे जिले में इस वर्ष पिछले दो वर्षों से भी ज्यादा कुष्ठ रोगियों की संख्या मिल सकती है।

कुष्ठ के मामले में राज्य में दूसरे स्थान पर देवघर

वहीं वर्ष 2023 और 2024 के आंकड़े पर गौर करें तो वर्ष 2023 में 676 और 2024 में 561 कुष्ठ रोगी चिह्नित किए गए थे। बढ़ते कुष्ठ रोगियों के आंकड़ों ने न सिर्फ देवघर स्वास्थ्य विभाग, बल्कि पूरे राज्य के पूरे स्वास्थ्य महकमे की चिंता बढ़ा दी है। कुष्ठ रोग के मामले में देवघर फिलहाल राज्य में दूसरे स्थान पर है, जबकि गोड्डा पहले और बोकारो तीसरे स्थान पर है।

युद्धस्तर पर स्क्रीनिंग शुरूः डीएलओ

इस संबंध में डिस्ट्रिक्ट लेप्रोसी ऑफिसर डॉ। मनोज गुप्ता बताते हैं कि स्थिति को गंभीरता को देखते हुए विभाग युद्धस्तर पर स्क्रीनिंग अभियान चला रहा है। सहिया और आंगनबाड़ी सेविकाओं की टीम गांव-गांव जाकर संदिग्ध मरीजों की पहचान कर रही है। जिनमें भी कुष्ठ के शुरूआती लक्षण मिलते हैं, उन्हें तुरंत सदर अस्पताल लाकर उनकी कंप्लीट स्क्रीनिंग कराई जाती है, ताकि बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सके।

डॉ। गुप्ता ने बताया कि कुष्ठ रोग में मुख्य रूप से दो श्रेणी है। पहला पीबी और दूसरा एमबी। एमबी श्रेणी को अधिक खतरनाक माना जाता है। इस श्रेणी के मरीजों को इलाज के साथ-साथ सरकार द्वारा 12 महीनों तक 500 रुपये प्रति माह पोषण सहायता दी जाती है। वहीं पीबी श्रेणी के मरीजों को 6 महीनों तक 500 रुपये प्रति माह की मदद मिलती है, ताकि वे उचित भोजन लेकर अपनी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सकें। साथ ही सहिया द्वारा संदिग्ध मरीजों को अस्पताल आने-जाने और देखभाल के लिए 100 रुपये मोबिलिटी सपोर्ट भी दिया जाता है।

सभी प्रखंडों में नोडर ऑफिसर तैनात

वहीं देवघर में बढ़ते कुष्ठ रोग के मामलों को देखते हुए जिले के सभी प्रखंडों में एक-एक नोडल मेडिकल ऑफिसर तैनात किए गए हैं, जो सीएचसी और अस्पतालों में जाकर रोग नियंत्रण की निगरानी कर रहे हैं। साथ ही देवघर में एक कुष्ठ कॉलोनी भी बनाई गई है, जहां रोगियों को दवा, देखभाल और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

हालांकि, कई मरीजों ने यह शिकायत की कि समय-समय पर सुविधाओं में कटौती उनके लिए तकलीफदेह हो जाती है। एक रोगी ने बताया कि कई बार समय पर बैंडेड तक नहीं मिल पाता, जिससे घाव बढ़ जाता है और साथ ही पीड़ा भी।

चलाया जा रहा जागरुकता अभियानः डीएलसी

इस संबंध में डीएलसी डॉ। राजेश वर्मा ने कहा कि कुष्ठ के मरीजों को समय-समय पर दवा उपलब्ध कराना और उन्हें चिन्हित कर इलाज के लिए जागरूक करना सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम लगातार कुष्ठ रोग के इलाज के प्रति जागरूक करने का का अभियान चलाती है। लोगों को कुष्ठ के इलाज से जुड़ी जानकारी मुहैया करायी जाती है, ताकि बीमारी को लेकर लोगों में जागरुकता बढ़े।

इधर, देवघर में बढ़ते कुष्ठ रोगियों के मामले को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है और लगातार समीक्षा की जा रही है। अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि राज्य में दूसरे नंबर पर पहुंच चुका देवघर कब तक कुष्ठ रोग मुक्त बन पाता है।